उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु सूचीबद्ध समाचार पत्र

www.tvindialive.in

टी.आई.एल. एक्सप्रेस

हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष–17
अंक–43
पृष्ठ–12
मूल्य दो रूपया
बांदा, रविवार 06 सितम्बर, 2026
RNI No.: UPHIN2008/32664

देश 'नीतिगत पंगुता' से निकलकर दुनिया की सबसे तेजी से बढती अर्थव्यवस्था बना : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि पिछले 12 वर्ष के कार्यकाल में उनकी सरकार ने देश को नीतिगत पंगुता की छवि से निकालकर दुनिया की सबसे तेजी से बढती हुई अर्थव्यवस्था बनाया है।

श्री मोदी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित श्रीराम कॉलेज ऑफ कामर्स (एसआर सीसी) के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। दिल्ली मेट्रो में सफर कर एसआरसीसी पहुंचे श्री मोदी ने 13 वर्ष पहले इसी कॉलेज में दिये गये अपने भाषण का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने उस समय के उनके भाषण के संकल्पों और सपनों को साकार करने की दिशा में कदम उठाये हैं। उन्होंने कहा कि वह अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर आये हैं। विपक्ष की आलोचनाओं पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा मैं आपके पास अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर आया हूं। सच की हुंकार के आगे झूठ की गूंज टिक नहीं सकेगी।

उन्होंने छात्रों को 2013 के अपने भाषण के बारे में कहा कि उस समय वह मुख्यमंत्री के साथ साथ वह विपक्षी पार्टी के नेता भी थे लेकिन उन्होंने सरकार की आलोचना के लिए इस मंच का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने कहा मैंने उस समय कुछ संकल्पों का जिक्र किया था, एक विजन रखा, सकारात्मक बातें कहीं, वह मेरा संकल्प था। मैं उन बातों को जीता रहा। उस रास्ते पर चलता रहा। देश के लिए जीने का जज्बा और मेरे भीतर का भाव है वह 2013 का भाव शब्दों की माला में जुड़ता चला गया ।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उस समय उन्होंने पानी के गिलास का उदाहरण दिया था और कहा था कि इसे देखने के तीन नजरिये होते हैं एक आधा भरा , दूसरा आधा खाली तथा तीसरा पूरा भरा हुआ जिसमें आधा पानी और आधा हवा से भरा। मेरा तीसरा नजरिया है मैं गिलास को पूरा भरा देखता हूं।

उन्होंने कहा कि जब देश निराशा के दल– दल में फंसा था तो वह गिलास को आधा नहीं पूरा भरा हुआ देखते थे। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे 2013 के कालखंड के बारे में इंटरनेट पर जाकर देखें कि देश की स्थिति क्या थी। मीडिया में क्या हेडलाइन होती थी। उन्होंने कहा एक गिरोह जो मैं बोल रहा हूं उसके छोटे छोटे टुकड़े कर मेरे खाते में डाल देगी।

बारिश से लोगों को राहत मिली

भीलवाड़ा, एजेंसी। राजस्थान में भीलवाड़घ में कई दिनों से बारिश का इंतजार कर रहे शहर और जिलेवासियों को मौसम ने राहत दी। सुबह से ही आसमान में बादल छाये रहे और रिमझिम बारिश का दौर शुरू हो गया। लंबे समय से तेज धूप, गर्मी और उमस झेल रहे लोगों को बारिश के बाद राहत मिली। बारिश ने हालांकि शहर की व्यवस्थाओं की पोल भी खोल दी। कई जगह सड़कों पर पानी इकट्ठा हो गया, जबकि सीवरेज कार्य के चलते पहले से खुदी और उखड़ी सड़कों पर बारिश का पानी पड़ते ही कीचड़ फैल गया।

गीता में ज्ञान-विज्ञान और जीवन का मर्म निहित : कुलपति

दरभंगा, एजेंसी। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता ज्ञान की अक्षय खान है, जो मनुष्य को जीवन जीने की कला सिखाती है। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वाविद्यालय एवं संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वाधान में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर दरभंगा स्थित श्री कृष्ण मंदिर में आयोजित एक विशेष 'साप्ताहिक मिलन' कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो.लक्ष्मी निवास पांडे ने कहा कि गीता में न केवल आध्यात्मिक ज्ञान और विज्ञान का अद्भुत समावेश है, बल्कि यह व्यावहारिक जीवन में आनंद, संतुलन और मानसिक शांति प्राप्त करने का अचूक मार्ग भी दिखाती है। उन्होंने वर्तमान समय में समाज के लिए गीता के संदेशों की अत्यधिक आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि मानव जीवन का मूल उद्देश्य गीता के दर्शन में ही निहित है।

13 वर्ष से फरार इनामी आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, एजेंसी। राजस्थान में उदयपुर शहर के धानमंडी थाना क्षेत्र में पुलिस ने 13 वर्ष से फरार पांच हजार रूपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक डा अमृता दुहन ने बताया कि धानमंडी थानाधिकारी गजवीरसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने इनामी अपराधी जहीर शाह (52) निवासी भाकर पुलिस थाना ऊंझा जिला मेहसाणा, गुजरात को मुखबिर की सूचना एवं तकनीकी सहायता से रामोसणा चौकडी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

स्टालिन को झटका, 100 फीसदी वीवीपैट गिनती की याचिका खारिज

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा में करारी हार के बाद डीएमके चीफ एमके स्टालिन को अब मद्रास हाई कोर्ट से करारा झटका लगा है। मद्रास हाई कोर्ट ने डीएमके अध्यक्ष और कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार स्टालिन की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने वोटों की गिनती के बाद वीवीपैट पर्चियों के मिलान में अंतर के आधार पर कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र से टीवीके विधायक वीएस बाबू की जीत को रद्द करने की मांग की थी। कोर्ट ने कहा कि यह याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में टीवीके कैंडिडेट वीएस बाबू ने डीएमके चीफ एमके स्टालिन को आठ हजार से अधिक वोटों से हराया था। टीवीके उम्मीदवार वीएस बाबू को 82,997 वोट मिले थे, जबकि एमके स्टालिन को 74,202 वोट मिले थे। स्टालिन की याचिका पर मद्रास हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एस ए धर्माधिकारी और जस्टिस जी अरुल मुरुगन की बेंच ने सुनवाई की।

पंजाब से हटे भूपेश बघेल, पार्टी ने अब सचिन पायलट को बनाया नया प्रभारी

चंडीगढ, एजेंसी। विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब कांग्रेस में जारी खींचतान के बीच पार्टी ने संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए सचिन पायलट को अहम जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी ने पंजाब कांग्रेस प्रभारी का कार्यभार संभाल रहे भूपेश बघेल को इस जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया है। उनकी जगह अब सचिन पायलट पंजाब के प्रभारी की जिम्मेदारी संभालेंगे।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी संगठन में कई राज्यों के प्रभारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया। छत्तीसगढ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पंजाब से हटाकर असम का प्रभारी महासचिव नियुक्त किया गया है। इस बड़े फेरबदल के बाद सचिन पायलट को पंजाब की जिम्मेदारी दिए जाने को कांग्रेस का अहम फैसला माना जा रहा है।

टेंट डेकोर इंडिया 2026 का भव्य आगाज

चंडीगढ, एजेंसी। चंडीगढ के सेक्टर–34 एग्जीबिशन ग्राउंड में टेंट डेकोर इंडिया 2026 का भव्य आगाज हुआ। तीन दिवसीय एक्सपो के पहले दिन टेंट, डेकोर, कैटरिंग, हॉस्पिटैलिटी, फर्नीचर, लाइट एंड साउंड और इवेंट इंडस्ट्री से जुड़े बड़ी संख्या में आंगतुक, कारोबारी, प्रदर्शक और पेशेवर पहुंचे। शोमैन एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से आयोजित एक्सपो में 60 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं। 8,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में लगाई गई प्रदर्शनी में 2,600 से ज्यादा उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। आयोजकों को तीन दिनों में 10,000 से अधिक लोगों के पहुंचने की उम्मीद है।

जमीन में गोबर डालने के विवाद में महिला की हत्या, पति-पुत्र पर भी कुल्हाड़ी से हमला

टी0आई0एल0 संवाददाता

बांदा। जमीन पर गोबर फेंकने को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि जेठ–देवर के परिवार ने महिला पर कुल्हाड़ी और हसिया से हमला कर दिया। हमले में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति और पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ लिया है। मृतका के पति की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। जसपुरा थाना क्षेत्र के बरेहटा फकीरा डेरा में जमीन पर गोबर डालने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था।

विवाद बढ़ने पर जेठ और देवर के परिवार के लोगों ने महिला के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने कुल्हाड़ी और हसिया से महिला पर ताबड़तोड़ वार किए। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे बचाने के लिए पहुंचे उसके पति और पुत्र पर भी आरोपियों ने हमला कर दिया। दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही जसपुरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले में एक आरोपी देवर को पकड़ लिया। वहीं, मृतका के पति की तहरीर के आधार पर हत्या समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद परिवार में चीख–पुकार मच गई। पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। घटना के कारणों और पूरे विवाद की भी जांच की जा रही है।

60 लाख की कोडीन सीरप बरामद, डीसीएम से मिलीं 30 हजार बोतलें, चार गिरफ्तार

टी0आई0एल0 संवाददाता

बांदा। यूपी एसटीएफ और बिसंडा पुलिस की संयुक्त टीम ने अवैध रूप से ले जाई जा रही कोडीन सीरप की बड़ी खेप पकड़ी। टीम ने एक डीसीएम से 100 एमएल की 30 हजार बोतलें बरामद की हैं।

पुलिस के मुताबिक, बरामद सीरप की अनुमानित कीमत करीब 60 लाख 45 हजार रुपये है। मौके से एक कार भी बरामद हुई है। डीसीएम चालक समेत चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।एसटीएफ को बांदा क्षेत्र में कोडीन सीरप के अवैध परिवहन की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम ने बिसंडा थाना पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाया। टीम ने संदिग्ध डीसीएम को ट्रेस कर रोक लिया। तलाशी लेने पर डीसीएम में 250 पेटियां मिलीं, जिनमें 100 एमएल की 30 हजार बोतलें थीं। पुलिस के अनुसार, सीरप की कुल मात्रा करीब तीन हजार लीटर है।

पुलिस के मुताबिक, डीसीएम को एक कार स्कॉर्ट कर रही थी। टीम ने कार को भी मौके से बरामद कर लिया। दोनों वाहनों से जुड़े चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस पूछताछ में यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि सीरप की खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। पकड़े गए आरोपियों में बिसंडा थाना क्षेत्र के नहर पुरवा निवासी धीरेंद्र पुत्र भगवत प्रसाद, अतर्रा के लखन कॉलोनी निवासी प्रवीण उर्फ लकी पुत्र स्व. दयाराम, अतर्रा के रामलीला मैदान निवासी रोहित पुत्र कालूराम और हापुड़ जिले के बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के भैना गांव निवासी शेखर पुत्र राजकुमार शामिल हैं।

इंगोहटा में लीणा नाला उफनाया 100 कच्चे मकान हुए धराशायी

टी0आई0एल0 संवाददाता

हमीरपुर। दो दिन से रुक–रुककर हो रही बारिश भी जारी रही। इसकी वजह से शहर से गांवों तक जलभराव की स्थिति बन गई। कई रपटों के ऊपर से पानी बहने लगा जबकि निचले इलाकों में घरों में पानी घुस गया। मौदहा क्षेत्र के इचौली रेलवे अंडरपास में रोडवेज बस पानी में फंस गई। यात्रियों को पानी में उतरकर एक किलोमीटर पैदल चलना पड़ा।

सुमेरपुर क्षेत्र के इंगोहटा में लीणा नाला उफनाने के साथ कजली तालाब भी ओवरफ्लो हो गया। वहीं क्षेत्र में 100 कच्चे घर गिर गए। सरीला कस्बे में चार घंटे हुई बारिश से जगह–जगह जलभराव हो गया। सीएचसी, ग्राम न्यायालय चौकी, वन विभाग कार्यालय और कन्या प्राथमिक विद्यालय परिसर में पानी भर गया।

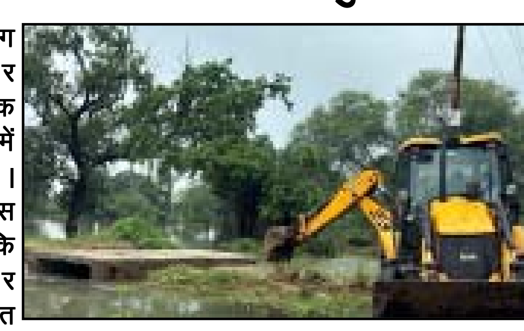

एसडीएम विकास यादव ने बताया कि बरहरा रोड पर जलनिकासी बाधित होने पर जेसीबी से नाला काटकर पानी निकाला गया। क्षेत्र में कच्चे मकान और गैर आवासीय कच्चे ढांचे गिरने की सूचनाओं का राजस्व टीमों से सत्यापन कराया जा रहा है। करीब 20 प्रभावित लोगों को क्षतिपूर्ति दिलाने की प्रक्रिया ऑनलाइन की जा रही है। अभी तक जनहानि या पशुहानि की सूचना नहीं है। बंडवा, ऊपरहंका और बिलगांव के रपटों के ऊपर से पानी बह रहा है। इचौली में अंडरपास में फंसी रोडवेज बसरू मौदहा। लगातार बारिश से मौदहा–कपसा मार्ग स्थित नहर के अंडरपास में सड़क से ऊपर तक पानी भर गया। इससे आवागमन प्रभावित रहा। इचौली रेलवे अंडरपास में रोडवेज बस पानी में फंस गई। यात्रियों को पानी में उतरकर करीब एक किलोमीटर पैदल चलना पड़ा और इचौली बस स्टॉप पहुंचना पड़ा।

दो दिन तक मृत पड़े रहे छह गोवंश, किसी ने भी नहीं ली सुध

टी0आई0एल0 संवाददाता

हमीरपुर। विकासखंड मुस्करा के गहरौली कस्बा स्थित पशु आश्रय स्थल में दो दिनों से छह गोवंश मृत पड़े थे। किसी जिम्मेदार ने उन्हें हटाने की सुध नहीं ली। ग्रामीणों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

वायरल वीडियो में पशु आश्रय स्थल के अंदर करीब छह मृत गोवंश पड़े साफ दिखाई दे रहे हैं, हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि संवाद न्यूज एजेंसी नहीं करता है। वीडियो में कई गोवंश भूख–प्यास से तड़पते नजर आ रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद अफसर सक्रिय हुए। बीडीओ राजीव सिंह ने वायरल वीडियो की पुष्टि की। उन्होंने एडीओ पंचायत और सचिव को एक दिन का कारण बताओ नोटिस जारी किया। दो चौकीदारों को भी हटा दिया गया। जिलाधिकारी के निर्देश पर बृहस्पतिवार को सीवीओ भूपेंद्र यादव और बीडीओ राजीव सिंह ने मृत गोवंशों को दफन करवाया। मौदहा एसडीएम करनवीर सिंह को खराब रास्ते के कारण ट्रैक्टर चलाकर गोशाला जाना पड़ा। गोशाला से लौटते समय ग्रामीणों ने एसडीएम का रास्ता रोका।

रिंकू सिंह राही को शासन का कारण बताओ नोटिस, 15 दिन में मांगा गया है जवाब, नगर पालिका जांच समेत कई आरोप

टी0आई0एल0 संवाददाता

उरई। जालौन में तैनाती के दौरान कार्यशैली, प्रशासनिक प्रक्रिया के उल्लंघन और आचरण को लेकर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट (न्यायिक) उरई रिंकू सिंह राही को शासन ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उत्तर प्रदेश शासन के नियुक्ति अनुभाग–5 की ओर से 20 अगस्त 2026 को जारी नोटिस में जिलाधिकारी जालौन की जांच आख्या के आधार पर उन्हें कई मामलों में प्रथम दृष्टया दोषी माना गया है। शासन ने उनसे नोटिस प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर अपना पक्ष नियुक्ति विभाग को उपलब्ध कराने को कहा है। नोटिस अखिल भारतीय सेवाएं (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1969 के नियम–10(2) के तहत जारी किया गया है। इसमें अखिल भारतीय सेवाएं (आचरण) नियमावली, 1968 के नियम–3 के उल्लंघन का भी उल्लेख है। नोटिस के अनुसार रिंकू सिंह राही को कलेक्ट्रेट स्थित भवन में ए–चौम्बर और न्यायालय कक्ष आवंटित किया गया था। इसके बावजूद 27 जून को बिना अनुमति कलेक्ट्रेट से फर्नीचर आदि लेकर नव निर्मित तहसील सदर उरई पहुंचने और वहां मीडिया को बुलाकर हंगामा व धरना करने का आरोप है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की ओर से उन्हें अवगत कराया गया था कि न्यायालय और चौम्बर कलेक्ट्रेट में ही आवंटित हैं और वहीं से न्यायिक कार्य करें। इसके बाद वह रात करीब नौ बजे कलेक्ट्रेट वापस आए।

ट्यूशन से लौट रही छात्रा से छेड़छाड़

टी0आई0एल0 संवाददाता

उरई। उरई जिले में कुठौंद थाना क्षेत्र के गांव के पास ट्यूशन पढ़कर साइकिल से घर लौट रही कक्षा 12वीं की नाबालिग दिव्यांग छात्रा को पांच युवकों ने घेर लिया। वे छात्रा से छेड़छाड़ करने लगे। छात्रा ने विरोध किया, तो उसे साइकिल से गिराकर पीटा और ब्लेड मार दिया।इसके बाद युवक भाग गए। पीड़िता के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। सिरसा कलार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने थाना पुलिस को तहरीर दी।

राधा-कृष्ण के दर्शन को उमड़ी भीड़

टी0आई0एल0 संवाददाता

कानपुर। भक्ति गीतों और संकीर्तन के बीच भक्त भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में झूमते नजर आए। मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं ने राधा–कृष्ण के विग्रहों के दर्शन कर सुख–समृद्धि की कामना की। जन्माष्टमी को लेकर मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना हुआ है।

जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ा, श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ती गई। परिवार के साथ बड़ी संख्या में लोग मंदिर पहुंचे। बच्चों में भी जन्माष्टमी को लेकर खास उत्साह नजर आया। भक्ति गीतों पर श्रद्धालुओं ने तालियां बजाईं और कई भक्त नृत्य करते दिखाई दिए।

मंदिर में भगवान के विग्रहों के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ रही। भक्त कतार में लगकर दर्शन करते नजर आए। मंदिर परिसर में लगातार भजन–कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों से माहौल कृष्णमय बना रहा। श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाते हुए उत्सव में शामिल हुए।

जन्माष्टमी को लेकर शहर के प्रमुख बाजारों में भी चहल–पहल बढ़ी रही। पूजन सामग्री, सजावटी सामान, भगवान श्रीकृष्ण और राधा की पोशाक, मुकुट और अन्य सामान की दुकानों पर लोगों की भीड़ रही। परिवार के साथ बाजार पहुंचे लोगों ने पर्व से जुड़ी खरीदारी की। कई जगहों पर छोटे बच्चों के लिए कृष्ण और राधा की पोशाक भी खरीदी गई। बाजारों और मंदिरों में बढ़ी भीड़ से पूरे शहर में जन्माष्टमी की रौनक दिखाई दी।

बारिश ने खोला मोर्चा, मलबे ने की घेराबंदी

टी0आई0एल0 संवाददाता

रायबरेली। जिले में दो दिन से हो रही जोरदार बारिश ने जनजीवन को अस्त–व्यस्त कर दिया है। शहर से लेकर गांव तक हर तरफ जलभराव के जैसी स्थिति है, जिससे आम लोगों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। रात से शुरू हुआ बारिश का दौर बुधवार सुबह तक जारी रहा, जिसके चलते गली–मोहल्ले पानी से लबालब हो चुके हैं। इस प्राकृतिक आपदा के बीच महराजगंज क्षेत्र से एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां कच्चे मकान की दीवार गिरने से मलबे में दबकर एक बुजुर्ग किसान की मौत हो गई। वहीं रोहनिया ब्लॉक क्षेत्र के कई गांवों में पांच कच्चे मकान ढहने से गृहस्थी का सारा सामान नष्ट हो गया है। महराजगंज के चंदापुर थाना क्षेत्र के नयापुरवा मजरे चंदापुर गांव में देर रात लगातार हो रही बारिश के कारण कच्चे घर की दीवार भरभरा कर गिर गई, जिसकी चपेट में आने से 85 वर्षीय बुजुर्ग किसान रघुनाथ की मौत हो गई। परिवार के लोगों ने बताया कि बारिश के कारण रात करीब एक बजे मकान की दीवार ढह गई और वे मलबे के नीचे दब गए, जिससे उनकी मौत हो गई। एसडीएम चंद्र प्रकाश गौतम ने कहा कि राजस्व टीम की जांच रिपोर्ट के आधार पर पीड़ित परिवार को आपदा राहत कोष से आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

इसी तरह रोहनिया ब्लॉक क्षेत्र के परसीपुर, सरकपुर, डिहवा, बसुवई गांव में बारिश के चलते पांच लोगों के कच्चे मकान ढह गए। जिससे परिवार खुले आसमान के नीचे आ गए हैं। परसीपुर गांव निवासी राहुल कुमार, डिहवा गांव निवासी रामफेर यादव व छेदीलाल सरकपूर गांव निवासी राजेश नाई बसुवई गांव निवासी केशव लाल के कच्चे घर बारिश के चलते ढह गए हैं। क्षेत्रीय लेखपाल रूपेश मौर्य ने बताया कि गिरे हुए मकानों का आकलन कर पीड़ित परिवारों को लाभ दिलाया जाएगा।

बारिश के कारण शहर में नयापुरवा, सोनिया नगर, बालापुर, आजाद नगर, बैराना, शक्तिनगर, छजलापुर, देवानंदपुर, नवीन गल्ला मंडी में जलभराव होने से बुधवार को आवामगन में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई मोहल्लों के घरों में पानी घुस गया है। इंदिरा गांधी उड़ान अकादमी फुरसतगंज के मुताबिक अधिकतम तापमान 32.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.3 डिग्री रहा। साथ ही 50.6 एमएम बारिश हुई। मौसम विशेषज्ञ दीतेंद्र कुमार ने बताया कि आठ सितंबर तक मौसम इसी तरह रहने की संभावना है। भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

कुश में गांठ लगा महिलाओं ने की पुत्र की दीर्घायु की कामना

टी0आई0एल0 संवाददाता

देवरिया। पुत्रों के सर्वांगीण विकास, सुख–समृद्धि और दीर्घायु के लिए माताओं ने हलषष्ठी व्रत किया। षष्ठी तिथि पर दुग्धेश्वर नाथ मंदिर पर जुटी महिलाओं ने कुश में गांठ जोड़ कर पूजा–अर्चना की। भाद्रपद कृष्ण षष्ठी तिथि को मनाया जाने वाला व्रत पुत्र के दीर्घायु के लिए माताएं करती हैं। मंदिर के अलावा घरों में व्रती महिलाओं ने कुश को जमीन में लगाकर पूजा–अर्चना की।मान्यता है कि व्रत का संबंध भगवान कृष्ण के बड़े भाई बलराम से है, इसलिए इसे बलराम जयंती भी कहा जाता है।बलराम को बलदेव, हलधर और हलायुध के नाम से भी जाना जाता है। उनका प्रमुख आयुध हल और मूसल है। इसी कारण इस पर्व को हलषष्ठी कहा जाता है। व्रत में तिन्नी के चावल, भैंस के दूध, दही और घी, महुआ को चढ़ा कर बेटे के लंबी आयु की कामना की।

पहले साले को किया गायब, फिर सुसरालियों पर बांके से हमला, ग्रामीणों ने पीट–पीटकर आरोपी को मार डाला

टी0आई0एल0 संवाददाता

फतेहपुर। जिले में औंग थाना क्षेत्र के भीकमपुर गांव में रात एक युवक ने ससुरालियों पर सोते समय बांके से हमला किया। हमले में पांच लोगों को गंभीर चोट आई। चीख–पुकार पर परिजन व ग्रामीणों ने युवक को पकड़ लिया और उसकी पीट–पीटकर हत्या कर दी। वारदात की शाम उसने अपने साले को भी गायब कर दिया है, जिसका पुलिस पता लगाने में जुटी है।

पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। जानकारी के अनुसार, औंग थाना के आशापुर निवासी पवन विश्वकर्मा (50) की शादी भीकमपुर गांव की रहने वाली फूल कुमारी के साथ हुई थी। आपसी विवाद के चलते फूल कुमारी अपने पति से अलग कई साल से गुजरात में रहती है। इसे लेकर पवन ससुरालियों से रंजिश मानता था।

रंजिश को लेकर पवन बुधवार शाम बाइक से अपनी ससुराल पहुंचा, जहां से साले राजू को उसकी बेटी का रिश्ता दिखवाने का झांसा देकर घर से ले गया। इसके बाद करीब रात नौ बजे पवन अपनी ससुराल फिर पहुंचा। परिजन ने राजू के बारे में पवन से पूछताछ की। उन्हें पवन ने बताया कि जहां बेटी का रिश्ता देखना है। वहीं रुक गए बताकर सभी को सो जाने के लिए कहा।

करीब रात दो बजे पवन ने राजू के पुत्र प्रदीप (20) पर सोते समय बांके से हमला किया। चीख पर पहुंचे राजू के भाई राजेश और भाभी पुष्पा पर बांके से हमला किया। इसके बाद राजू के पुत्र राजकरण (22) और गोरे (18) घर के अंदर से बाहर निकले। उन पर भी पवन ने हमला किया। परिवार ने अपने बचाव में ग्रामीणों की मदद से पवन पर हमला किया।

पिटाई से पवन की मौत हो गई। पुलिस ने घायलों को अल्लीपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। यहां से पुष्पा को छोड़कर बाकी चार घायलों को कानपुर रेफर किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। घायलों के बयान लिए गए हैं। मामले की जांच चल रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

सड़क पर दौड़ रहे 141 अनफिट स्कूल वाहन

टी0आई0एल0 संवाददाता

पडरौना। जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग के दावों के बावजूद बड़ी लापरवाही सामने आ रही है। जिले में पंजीकृत 1,672 स्कूली वाहनों में से 141 वाहनों की फिटनेस समाप्त हो चुकी है। इसके बावजूद इन वाहनों के सड़कों पर दौड़ने की आशंका बनी हुई है। ऐसे वाहनों से बच्चों को स्कूल लाने–ले जाने में हादसे का खतरा हमेशा बना रहता है।

स्कूल खुलने के साथ ही सुबह और दोपहर के समय सड़कों पर बड़ी संख्या में स्कूली वाहन दिखाई देते हैं। इनमें कई वाहन ऐसे भी हैं, जिनकी फिटनेस जांच की अवधि समाप्त हो चुकी है।

सम्पादकीय

क्या मंशा है ट्रंप की?

ईरान युद्ध के छह माह के दौरान 10 लाख से अधिक भारतीयों को खाड़ी देशों से वापस घर आना पड़ा है। वे अचानक बेरोजगार हो गए हैं। खाड़ी देशों में काम करते हुए भारतीय करीब 51–54 अरब अमरीकी डॉलर अपने घरों को भेजते रहे हैं। यह औसत अब काफी कम हो सकता है। खाड़ी देशों में करीब 1 करोड़ भारतीय विभिन्न क्षेत्रों में, लंबे वक्त से, काम कर रहे हैं। अचानक थोपे गए युद्ध ने बहुत कुछ अस्थिर, अनिश्चित कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग बंद है और उस पर ईरान की आईआरजीसी का पूर्ण नियंत्रण है। राष्ट्रपति ट्रंप सपने देखते रहते हैं, लिहाजा यह बयान भी अटपटा नहीं लगना चाहिए कि उन्होंने कहा है कि होर्मुज का नाम बदल कर 'ट्रंप स्ट्रेट' कर देना चाहिए। बहरहाल होर्मुज से कच्चे तेल की भारत को आपूर्ति नगण्य है। कतर, कुवैत, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात को भारत जो इंजीनियरिंग उत्पाद निर्यात करता था, वह लगभग ठप हो गया है। बासमती चावल, केला, नारियल और चाय पत्ती आदि का निर्यात भी 50 फीसदी तक गिर गया है। यह आर्थिक नुकसान, अंततरू, भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगा। अब भारत एलपीजी और एलएनजी का, अमरीका से, सबसे बड़ा आयातक बन गया है। भारत ने कुल 11 लाख टन एलपीजी का आयात किया है, जिसमें अमरीका की हिस्सेदारी करीब 6 लाख टन है। नेतन्याहू ने ट्रंप को आश्वस्त किया है कि उन्होंने पूरे तंत्र को निर्देश दे दिए हैं कि ईरान में तख्तापलट करना है। दोनों नेताओं के सामने यह मकसद तब भी था, जब 28 फरवरी को उन्होंने ईरान पर हवाई हमलों की बौछार कर दी थी। वे ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई और उनके 45–48 सिपहसालारों, कमांडरों की हत्याएं ही कर पाए। अलबत्ता ईरान में हुकूमत यथावत है और आज मुज्तबा खामेनेई ईरान के सुप्रीम लीडर हैं। अमरीका से ही एलएनजी का आयात भी 38 फीसदी से अधिक है। कभी कतर हमें 43–45 फीसदी एलएनजी की आपूर्ति करता था। अमरीकी गैस महंगी भी पड़ती है, लेकिन मजबूरी है कि इतने विशाल देश की खपत के लिए पर्याप्त गैस भी अनिवार्य है। अमरीकी पाबंदियों के बावजूद भारत ने जून–जुलाई में रूस से औसतन 26–28 लाख बैरल तेल रोजाना खरीदा है।

यह हिस्सेदारी 50–55 फीसदी है। तेल–गैस का कारोबार बढने और वेनेजुएला के तेल पर 'अवैध' कब्जा करने के बावजूद अमरीका पर कर्ज 40 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। यह चीन, जर्मनी, जापान, ब्रिटेन और भारत की साझा, कुल अर्थव्यवस्थाओं से भी अधिक है। यह कर्ज प्रत्येक अमरीकी पर करीब 1,19,000 डॉलर का है और प्रत्येक घर पर करीब 3 लाख डॉलर का कर्ज है। राष्ट्रपति ट्रंप इसे पिछले 35 साल का कर्ज मानते हैं और अपने कार्यकाल के दौरान कर्ज को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। बहरहाल युद्ध में संहारक प्रहार वाली, इंटरसेप्टर मिसाइलों–पैट्रियट और थाड–की कमी 50–65 फीसदी है। उत्पादन के पुराने स्तर तक लौटने में सालों लगेंगे, लेकिन फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध को लंबा खींचना चाहते हैं। या यूं कहें कि वह ऐसे 'चक्रव्यूह' में फंस गए हैं कि युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता ही नहीं दिख रहा। अब राष्ट्रपति ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ईरान में तख्तापलट की साजिशों में जुटे हैं। किसका तख्तापलट३चुनी हुई सरकार का अथवा खामेनेई और आईआरजीसी के नेतृत्व का। नेतन्याहू ने ट्रंप को आश्वस्त किया है कि उन्होंने पूरे तंत्र को निर्देश दे दिए हैं कि ईरान में तख्तापलट करना है। दोनों नेताओं के सामने यह मकसद तब भी था, जब 28 फरवरी को उन्होंने ईरान पर हवाई हमलों की बौछार कर दी थी। वे ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई और उनके 45–48 सिपहसालारों, कमांडरों की हत्याएं ही कर पाए। अलबत्ता ईरान में हुकूमत यथावत है और आज मुज्तबा खामेनेई ईरान के सुप्रीम लीडर हैं। राष्ट्रपति ट्रंप एक तरफ ईरानी अवाम को 'विद्रोह' के लिए भडका रहे हैं, उन्हें हथियार मुहैया कराने का लालच भी दे रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ सिरिक क्षेत्र में एक शादी समारोह के घर पर हमला कर और उस दिन कुल 20 हत्याएं करा 'शैतानियत' पर उतारू लग रहे हैं। यह विशेषण ईरानी संसद के स्पीकर कालीबाफ ने इस्तेमाल किया है।

अमरीकी सेना ने एक ही दिन में ईरान के करीब 100 ठिकानों पर हमले किए हैं। हमलों की धमकियां अब भी जारी हैं। ईरान भी पलटवार कर अमरीकी ठिकानों की तबाही कर रहा है। सवाल यह है कि आखिर ट्रंप की मंशा क्या है? उन्होंने दुनिया की अर्थव्यवस्था हिला कर रख दी है। देशों के तेल के रिजर्व भंडार खत्म हो रहे हैं। जब देश फिर तेल के भंडार भरने की कवायद करेंगे और मांग बढ़ेगी, तब कच्चे तेल के दाम 150 डॉलर प्रति बैरल तक उछल सकते हैं। तब अमरीका भी क्या करेगा?

मांझी व पासवान का टकराया स्वार्थ

अशोक त्रिपाठी

आरक्षण को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन एनडीए के दो घटक दलों के नेताओं के स्वार्थ टकरा गये हैं। लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से सवाल पूछ रहे थे कि दलितों के साथ भेदभाव क्यों किया गया। कांग्रेस लम्बे समय तक सत्ता में रही है तो उसे जवाब देना चाहिए। आरक्षण पर बहस बढ़ते–बढ़ते क्रीमीलेयर तक पहुंच गयी। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के नेता संतोष कुमार सुमन ने क्रीमीलेयर का मामला उठाया तो चिराग पासवान ने जीतन राम मांझी और उनके बेटे संतोष सुमन से इस्तीफे की मांग कर डाली। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने जब एससी–एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर की बात कही थी तब भी जीतन राम मांझी का चिराग पासवान ने विरोध किया था। केन्द्र सरकार ने विवाद से बचने के लिए ही सुप्रीम कोर्ट के सुझाव को स्वीकार नहीं किया था। अब यह मामला फिर उभरा है। चिराग पासवान दलित वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसमें ज्यादातर लोग सम्पन्न हैं अर्थात क्रीमीलेयर वाले हैं जबकि जीतनराम मांझी महादलित समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसमें बहुत कम लोग क्रीमीलेयर वाले हैं।

आरक्षण पर बढ़ते बहस के बीच अब एनडीए के अंदर ही मतभेद दिखने लगे हैं। दलित आरक्षण में क्रीमी लेयर के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के बयान पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पलटवार किया है। उन्होंने केंद्र में मंत्री मांझी और बिहार सरकार में मंत्री उनके बेटे संतोष सुमन से इस्तीफे की मांग कर डाली। चिराग ने कहा कि जब दलित और महादलित का बंटवारा करने की कोशिश हुई थी, तब भी उन्होंने इसके खिलाफ आवाज उठाई थी।

चिराग पासवान ने कहा, मैं अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लोगों को आरक्षण देने की बात कर रहा हूं। उनके बारे में लोग पूछते हैं, इसमें क्रीमी लेयर का प्रावधान क्यों नहीं है? तो ठीक है, वे इसे छोड़ दें, वे आरक्षण का लाभ लेना बंद कर दें। अगर जीतन राम मांझी को लगता है कि ये उपाय लागू होने चाहिए, तो क्या उन्हें पहले इस्तीफा नहीं देना चाहिए? उन्हें क्रीमी लेयर का कॉन्सेप्ट लाना चाहिए, आखिरकार, वे भी तो उसी कैटेगरी में आएंगे, है ना? उन्हें इस्तीफा देना चाहिए, और उनके बेटे को, जो यहां मौजूद हैं, उन्हें भी इस्तीफा देना चाहिए। बिहार सरकार में मंत्री और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के नेता संतोष कुमार सुमन ने आरक्षण को लेकर कहा था कि इसकी समीक्षा होनी चाहिए लेकिन इसे खत्म नहीं किया जाना चाहिए। आरक्षण का फायदा उन लोगों तक पहुंचना चाहिए, जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। सुमन ने आरक्षण में उप–वर्गीकरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि दलित समाज की कुछ जातियों को लंबे समय से आरक्षण का ज्यादा लाभ मिला है, जबकि कई जातियां अभी भी पीछे हैं। इसलिए आरक्षण के भीतर जरूरतमंद और अधिक पिछड़ी जातियों के लिए अलग हिस्सा तय करने पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 79 साल की आजादी के बाद यह सवाल पूछना गलत कैसे हो सकता है कि आरक्षण का लाभ किन वर्गों को कितना मिला और समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े कौन–से लोग आज भी इससे वंचित हैं? लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध् यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि जो लोग आरक्षण के आकलन की बात करते हैं, वे सही मायनों में आरक्षण और खासतौर पर अनुसूचित जाति–जनजाति वर्ग को मिलने वाले आरक्षण को समझ नहीं पा रहे हैं।

चिराग ने कहा, आरक्षण का आकलन करने का मतलब है लोगों को सिस्टम से बाहर करना और इसके दायरे को कम करना। संविध ाान में हर स्तर पर हर तरीके के आरक्षण की व्यवस्था है। जब आप अनुसूचित जाति और जनजाति में आरक्षण की बात करते हैं तो यहां पर आधार आर्थिक हो ही नहीं सकता है। यह सामाजिक न्याय की लड़ाई है। इसका आधार ही सामाजिक न्याय का रहा है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति से आने वाले ये कौन से लोग हैं? ये वो लोग हैं जिनको संविधान ने शेड्यूल किया है, जिनका आधार छुआछूत रहा है, जिनको गांव से दूर रखा जाता था, छूना तो दूर की बात है, देखना पाप माना जाता था। वहीं, शेड्यूल ट्राइब (अनुसूचित जनजाति) की अलग विशेषताएं (वेश–भूषा, रहन–सहन और बोल–चाल) रही हैं। पासवान ने कहा कि इन दो अनुसूचित जाति और जनजाति को शेड्यूल किया गया है, जिसकी वजह से आरक्षण दिया गया है। जब इनको आरक्षण देने का आधार ही भेदभाव रहा है तो इसमें आर्थिक व्यवस्था कैसे जोड़ी जा सकती है।

उन्होंने कहा कि मैं लोगों से पूछना चाहता हूं कि क्या आज भेदभाव नहीं होते हैं? कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ घटनाएं हो रही हैं। आज एकजुट हैं, तब इस वर्ग को इतना संघर्ष करना पड़ रहा है। सोचिए, जब ये बंट कर तीन–चार प्रतिशत रह जाएंगे तो इनकी बात कौन सुनेगा? आज एक हैं तो आवाज बन रहे हैं, बटेंगे को कोई सुनेगा नहीं।

ध्यान रहे बिहार सरकार में मंत्री और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के नेता संतोष कुमार सुमन ने आरक्षण को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दलित समाज की कुछ जातियों को लंबे समय से आरक्षण का ज्यादा लाभ मिला है, जबकि कई जातियां अभी भी पीछे हैं। इसलिए आरक्षण के भीतर जरूरतमंद और अधिक पिछड़ी जातियों के लिए अलग हिस्सा तय करने पर विचार किया जाना चाहिए, ताकि सभी को समान अवसर मिल सकें।

बिहार सरकार के मंत्री संतोष कुमार सुमन ने कहा, यह सवाल पूछना गलत कैसे हो सकता है कि आरक्षण का लाभ किन वर्गों को कितना मिला और समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े कौन–से लोग आज भी इससे वंचित हैं? संतोष कुमार सुमन ने कहा, हमारे देश में सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन को पहचानने के लिए वर्गीकरण की व्यवस्था पहले भी हुई है। सामान्य वर्ग के भीतर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए ईडब्ल्यूएस की व्यवस्था बनी, पिछड़े वर्गों में भी पिछड़ा और अतिपिछड़ा की अलग पहचान की गई।

जब एक ही बड़े सामाजिक वर्ग के भीतर वास्तविक वंचितों तक लाभ पहुंचाने के लिए अलग श्रेणियां बनाई जा सकती हैं, तो फिर दलित समाज के भीतर भी यह देखना क्यों गलत है कि आरक्षण का लाभ सबसे वंचित लोगों तक पहुंच रहा है या नहीं? संतोष कुमार सुमन ने कहा कि दलित समाज कोई एकरूप वर्ग नहीं है। उसके भीतर भी सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति में अंतर है। यदि कुछ जातियां आरक्षण का लाभ लगातार अधिक प्राप्त कर रही हैं और कुछ आज भी पीछे हैं, तो उन तक अवसर पहुंचाने के लिए उप–वर्गीकरण क्यों नहीं होना चाहिए? उन्होंने कहा आरक्षण बचाना है तो उसकी पहुंच भी न्यायपूर्ण बनानी होगी। इस प्रकार मांझी और चिराग का स्वार्थ टकरा रहा है।

एक जगह जमीन नहीं, अटकी कैटल कॉलोनी

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद शहर की डेयरियों को कैटल कॉलोनी बनाकर स्थानांतरित करने की योजना जमीन की कमी के कारण अटकी हुई है। करीब पांच साल पहले इस संबंध में आदेश जारी हुआ था। पर अब तक इस पर कोई अमल नहीं हो पाया है। इससे शहर में अवैध डेयरियों पर लगाम नहीं लग पा रही है। साथ ही उन्हें व्यवस्थित भी नहीं किया जा पा रहा है।

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने 15 सितंबर 2021 को सिराजुल अली व अन्य की याचिका पर विस्तारित सीमा के लिए भी कैटल कॉलोनी बनाने का आदेश दिया था। याचिकाकर्ताओं ने नगर निगम के डेयरियों को हटाने पर सवाल उठाया था। उनका तर्क था कि कैटल कॉलोनी बनने तक डेयरियों को हटाया न जाए। प्रशासन ने तब कोर्ट को बताया था कि कैटल कॉलोनी बनाने की योजना पर काम चल रहा है। 2023 में नगर विकास विभाग ने कोर्ट को कार्ययोजना पेश करने और तीन महीने में अमल की बात कही थी। हालांकि, इस पर भी कोई प्रगति नहीं हुई।

जमीन की कमी बनी बाधा रू 2023 में जिला प्रशासन ने सभी तहसीलों को कैटल कॉलोनी के लिए जमीन चिह्नित करने का निर्देश दिया था। बीकेटी, मोहनलालगंज, मलिहाबाद और सरोजनीनगर में कुल 89 हेक्टेयर जमीन चिह्नित कर जानकारी एलडीए को दी गई, क्योंकि उसे ही कैटल कॉलोनी विकसित करनी थी मगर तत्कालीन एलडीए सचिव ने कहा था कि चिह्नित जमीन एक जगह नहीं है। यह 29 अलग–अलग गांवों में बिखरी हुई है। इतनी बिखरी जमीन पर सड़क, बिजली और पानी जैसी सुविधाएं विकसित करना संभव नहीं है। इसके बाद जिला प्रशासन ने ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायतों को अपने स्तर पर इन बिखरी जमीनों पर सुविधा विकसित करने के निर्देश दिया।

यूपी के किसानों को योगी सरकार का बड़ा तोहफा, 185.33 करोड़ की नई कृषि परियोजनाओं को मिली मंजूरी

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। राज्य कृषि विकास योजना के तहत गठित राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति ने 286.46 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को अनुमोदन दिया है। इनमें वर्तमान वित्तीय वर्ष में कृषि एवं कृषि संवर्गीय विभागों–संस्थाओं की नई परियोजनाओं के लिए 185.33 करोड़ रुपये का अनुमोदन किया गया है। वहीं, पहले से संचालित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने के लिए भी 101.13 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने निर्देश दिए हैं कि अनुमोदित परियोजनाओं के काम निर्धारित समय–सीमा में पूरे कराए जाएं। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई समिति की बैठक में राजकीय कृषि प्रक्षेत्रों के आधुनिकीकरण के लिए उन्नत कृषि यंत्र, सिंचाई नलकूप, जल निकास आदि व्यवस्थाओं को 60 करोड़ रुपये की परियोजना दो वर्षों के लिए अनुमोदित की गई।

कृषि विभाग की नौ आइपीएम प्रयोगशालाओं की उत्पादन क्षमता में वृद्धि को 2.78 करोड़ रुपये, देवरिया में नई आइपीएम प्रयोगशाला व मृदा परीक्षण प्रयोगशाला भवन के निर्माण को 3.71 करोड़ रुपये और लखीमपुर खीरी में मृदा परीक्षण प्रयोगशाला भवन के निर्माण को 2.60 करोड़ रुपये की परियोजना को स्वीकृति दी गई। कृषि प्रसार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रशिक्षण और कृषि विश्वविद्यालयों व कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसान–वैज्ञानिक संवाद व कृषि तीर्थ कार्यक्रमों के आयोजन को 8.80 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए।राज्य कृषि प्रबंधा संस्थान रहमानखेड़ा में कृषि यंत्रीकरण, कम्बाइन हार्वेस्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम व बाउंड्रीवाल आदि कार्यों को 6.10 करोड़ रुपये और प्रदेश में औद्यानिक विकास कार्यक्रमों के लिए 5.98 करोड़ रुपये की परियोजनाएं भी स्वीकृत की गईं।

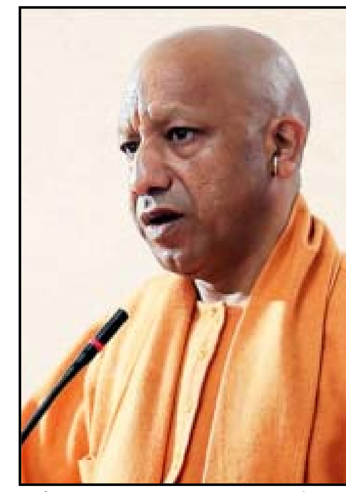

वहीं गन्ना विभाग द्वारा गोरखपुर में गन्ने की नवीन प्रजातियों के अभिजनक बीज उत्पादन के लिए टिश्यू कल्चर लैब की स्थापना को 1.82 करोड़ रुपये, मत्स्य विभाग के अधिकारियों–कर्मचारियों के प्रशिक्षण, गोरखनाथ हैचरी के पुनर्निर्माण व राजकीय मत्स्य प्रक्षेत्रों की मत्स्य बीज उत्पादन क्षमता बढ़ाने को 7.91 करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की गईं।

एक साथ 26 सरकारी डॉक्टरों पर गिरी गाज, यूपी में स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई

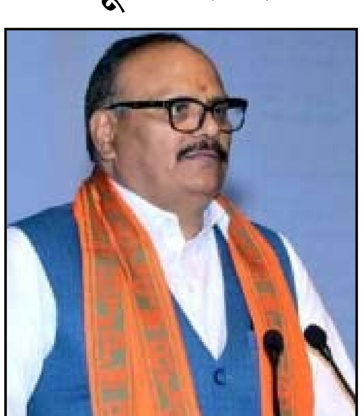

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मरीजों की अनदेखी करने और कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने के आरोप में 26 चिकित्सकों को बर्खास्त कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि लगातार ड्यूटी से गैरहाजिर रहने और चिकित्सीय दायित्वों का पालन नहीं करने वाले 26 चिकित्सकों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। वहीं, उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना और चिकित्सीय कार्यों में लापरवाही के मामले में नौ अन्य डॉक्टरों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने लंबे समय से अनुपस्थित और लापरवाही के आरोपों से जुड़े मामलों की समीक्षा की और विभागीय प्रक्रिया पूरी होने के बाद बर्खास्तगी की कार्रवाई की गई। पाठक ने एक बयान में कहा कि सरकारी अस्पतालों में तैनात डॉक्टरों की प्राथमिक जिम्मेदारी मरीजों को समय पर, बेहतर और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि ड्यूटी से गैरहाजिर रहने या चिकित्सीय दायित्वों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अस्पतालों में चिकित्सकों की उपस्थिति, ओपीडी–आईपीडी सेवाओं और मरीजों को मिल रहे उपचार की नियमित निगरानी के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बयान के अनुसार, बर्खास्त किए गए डॉक्टर प्रदेश के फिरोजाबाद, अलीगढ़, गाजीपुर, हरदोई, महोबा, बुलंदशहर, लखनऊ, बलरामपुर, मथुरा, मिर्जापुर, झांसी, बरेली, गोरखपुर, सहारनपुर, मुरादाबाद, चंदौली, मैनपुरी, मऊ, सुलतानपुर और मुजफ्फरनगर समेत विभिन्न जिलों में तैनात थे।

मिशन यूपी 2027 के लिए भाजपा का बड़ा प्लान, सितंबर में यूपी मथेंगे तावड़े–नवीन और अमित शाह

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव को प्रतिष्ठा का सवाल बना चुकी भाजपा संगठन बनाने के बाद अब पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को चुनावी होमवर्क देगी। सात सितंबर को जहां यूपी के नए प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े लखनऊ में डेरा डालेंगे, वहीं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का भी दौरा होगा।

राष्ट्रीय नेतृत्व प्रदेश एवं क्षेत्रीय टीमों से मिलकर चुनावी धड़कन की जानकारी लेगा। मोर्चों के साथ भी अलग बैठक होगी। वहीं, माह के अंत में गृहमंत्री अमित शाह के दौरे की रचना बनाई जा रही है।

यूपी विधान सभा चुनाव ज्यादा दूर नहीं है। 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा को भारी झटका लगा। अगर चुनावी परिणाम के आधार पर आकलन करें तो ढाई

सौ से ज्यादा विधान सभाओं में सपा और सहयोग दल आगे रहे। यह भाजपा के लिए खतरे की घंटी है। इसके बाद से भगवा खेमा संगठन एवं जातीय समीकरण कसने में जुटा है। हालांकि संगठन एवं जनप्रतिनिधियों में मतभेद एवं कार्यकर्ताओं के थकने की वजह से ज्यादातर अभियानों का रंग फीका रहा है। जिलाध्यक्षों को बनाने एवं जिलों की टीमों के गठन में भारी विलंब हुआ, वहीं कई क्षेत्रों में पदाधिकारियों को लेकर अंदरुनी लड़ाई खुलकर सामने आई। पदाधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए गए। इस बीच प्रदेश की टीम में भारी बदलाव किया गया, लेकिन यहां भी कई ऐसे नाम शामिल किए गए, जिनका संगठन में कोई अनुभव नहीं रहा। अब क्षेत्रीय टीमों की घोषणा कर दी गई है, जिसके बाद विनोद तावड़े के दौरे की उपयोगिता बढ़ गई है। तावड़े ने प्रदेश की टीम में बड़े बदलाव की पटकथा लिखी, जिसका असर 2027 विधान सभा चुनाव में टिकटों में बदलाव में भी दिखेगा।

वह सालभर से यूपी के दौरों पर निकल रहे हैं। राष्ट्रीय संगठन महामंत्री प्रदेशभर के संगठनों के साथ संवाद करेंगे। नितिन नवीन चार एवं पांच जुलाई को लखनऊ में थे, जहां उन्होंने प्रदेश की टीम के साथ मुलाकात करने के साथ ही सहयोगी दलों से भी मिले।

बुजुर्ग एवं अनुभवी कार्यकर्ताओं को साधा, वहीं दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक के यहां पहुंचकर बड़ा संदेश दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ से भी मिले थे। अब नई तैयारियों के साथ लखनऊ पहुंचेंगे, जहां से वह काशी एवं अयोध्या जा सकते हैं। इस बीच गृहमंत्री अमित शाह का यूपी दौरा प्रस्तावित है। इससे पहले वह 23 जनवरी को लखनऊ आए थे, जहां उन्होंने प्रदेश भाजपा मुख्यालय पर पदाधिकारियों से भी मुलाकात की थी।

केजीएमयू ब्लड बैंक में 22 कर्मचारियों ने किया रक्तदान

टी0आई0एल0 संवाददाता

लखनऊ। केजीएमयू ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर लगाया गया। इसमें केजीएमयू में कार्यरत 22 स्वयंसेवकों ने रक्तदान किया। शिविर का आयोजन वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन विशाल कुमार वर्मा के नेतृत्व में हुआ। ब्लड बैंक की प्रमुख डॉ. तुलिका चंद्रा और डिप्टी नर्सिंग सुपरिंटेंडेंट प्रदीप गंगवार ने रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाया। रक्तदान करने वालों में राजीव शर्मा, डॉ. आरके सिंह, अजय श्रीवास्तव, श्याम प्रताप, अंकित सरोज, विनय मौर्य, विशाल निगम, सत्यम पटेल, शुभम सिंह, चंदन सिंह, ऋषभ वर्मा, अजय पांडेय और ज्ञानेंद्र सिंह आदि शामिल रहे।

अमेरिका से जेवलिन मिसाइल खरीदेगा भारत

वीपी राहुल

भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है और इसी कड़ी में भारत अब अमेरिका से जेवलिन एंटी–टैंक मिसाइल प्रणाली खरीदने की तैयारी कर रहा है। अमेरिका में भारत के राजदूत सर्जियो गोर ने इसकी जानकारी देते हुए कहा है कि भारत युद्ध के मैदान में अपनी क्षमता साबित कर चुकी जेवलिन एंटी–टैंक प्रणाली खरीदने की योजना बना रहा है। इस संभावित सौदे को दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग और भविष्य में संयुक्त रक्षा उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि भारत की ओर से जेवलिन एंटी–टैंक प्रणाली खरीदने की योजना अमेरिका और भारत के रक्षा संबंधों के लिए बड़ी खबर है। उन्होंने मई 2026 में शांगरी–ला संवाद के दौरान अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ द्वारा भारत–अमेरिका रक्षा संबंधों को लेकर दिए गए बयान का भी उल्लेख किया। गोर के मुताबिक, यह सौदा दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग के नए रास्ते खोल सकता है और भविष्य में जेवलिन प्रणाली के संयुक्त उत्पादन की संभावनाएं भी पैदा कर सकता है।

जेवलिन एक हल्की, कंधे से दागी जाने वाली और एक सैनिक द्वारा संचालित की जा सकने वाली एंटी–टैंक गाइडेड मिसाइल प्रणाली है। इसे विशेष रूप से बख्तरबंद वाहनों और टैंकों जैसे लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए विकसित किया गया है। इस प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषताओं में इसका फायर एंड फॉरगेट सिद्धांत है। इसका अर्थ है कि मिसाइल को लक्ष्य पर

भारत के लिए इस संभावित सौदे की अहमियत केवल मिसाइल प्रणाली हासिल करने तक सीमित नहीं है। यह भारत और अमेरिका के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग को एक नई दिशा दे सकता है। अमेरिकी राजदूत ने विशेष रूप से इस बात का संकेत दिया है कि जेवलिन के क्षेत्र में भविष्य में सह-उत्पादन की संभावनाएं खुल सकती हैं। यदि ऐसा होता है तो यह भारत के श्मेक इन इंडियाश और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के प्रयासों के लिए भी महत्वपूर्ण हो सकता है।

लॉक करने के बाद उसे दागने वाला सैनिक अपनी स्थिति बदल सकता है और मिसाइल स्वयं लक्ष्य का पीछा करते हुए उसे निशाना बना सकती है। युद्ध के मैदान में यह क्षमता सैनिकों की सुरक्षा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है।

जेवलिन प्रणाली को अमेरिका की लॉकहीड मार्टिन और आरटीएक्स ने मिलकर विकसित किया है। यह अमेरिकी सेना और मरीन कॉर्प्स में पहले से इस्तेमाल की जा रही है और कई अन्य मित्र देशों की सेनाएं भी इसका उपयोग करती हैं। युद्ध के वास्तविक हालात में इसके इस्तेमाल ने इसकी प्रभावशीलता को लेकर इसकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा मजबूत की है। यही वजह है कि भारत जैसे देश के लिए यह प्रणाली विशेष महत्व रखती है, जहां आधुनिक टैंकों और बख्तरबंद वाहनों से निपटने के लिए हल्की और तेजी से तैनात की जा सकने वाली एंटी–टैंक क्षमता जरूरी है।

जेवलिन की तकनीक इसे पारंपरिक एंटी–टैंक हथियारों से अलग बनाती है। लक्ष्य को पहचानने और उस पर निशाना साधने के बाद मिसाइल को लक्ष्य पर लॉक किया जाता है। इसके बाद मिसाइल अपने मार्गदर्शन तंत्र की मदद से लक्ष्य तक पहुंचती है। इसकी एक खास क्षमता टॉप अटैक है, जिसमें मिसाइल लक्ष्य के ऊपरी हिस्से पर हमला करने के लिए ऊंचाई हासिल करती है। टैंक का ऊपरी हिस्सा सामान्य तौर पर उसके सामने या किनारों की तुलना में कम सुरक्षित होता है। इस वजह से जेवलिन जैसी प्रणाली आधुनिक बख्तरबंद वाहनों के खिलाफ प्रभावी साबित हो सकती है।

जेवलिन की एक और खासियत इसका सॉफ्ट–लॉन्च डिजाइन है। इसके कारण इसे इमारतों, बंकरों और कुछ बंद स्थानों से भी अपेक्षाकृत सुरक्षित तरीके से दागा जा सकता है। यह क्षमता शहरी युद्ध और सीमित स्थानों वाले इलाकों में सैनिकों के लिए उपयोगी हो सकती है। इसका अपेक्षाकृत कम वजन भी सैनिकों को तेजी से अपनी स्थिति बदलने और आवश्यकता पड़ने पर दोबारा कार्रवाई करने की सुविधा देता है।

भारत के लिए इस संभावित सौदे की अहमियत केवल मिसाइल प्रणाली हासिल करने तक सीमित नहीं है। यह भारत और अमेरिका के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग को एक नई दिशा दे सकता है। अमेरिकी राजदूत ने विशेष रूप से इस बात का संकेत दिया है कि जेवलिन के क्षेत्र में भविष्य में सह–उत्पादन की संभावनाएं खुल सकती हैं। यदि ऐसा होता है तो यह भारत के श्मेक इन इंडियाश और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के प्रयासों के लिए भी महत्वपूर्ण हो सकता है। नवंबर 2025 में अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत को संभावित रूप से 100 तक जेवलिन प्रणालियों और 216 एक्सकैलिबर निर्देशित तोपखाना प्रोजेक्टाइल की बिक्री को मंजूरी दी थी। इस संभावित सौदे का अनुमानित मूल्य करीब 93 करोड़ अमेरिकी डॉलर बताया गया था। हालांकि, वर्तमान में यह स्पष्ट नहीं है कि भारत वास्तव में कितनी जेवलिन प्रणालियां खरीदेगा और अंतिम सौदे की कुल कीमत कितनी होगी। भारत सरकार की ओर से इस संभावित खरीद पर तत्काल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। भारत पहले से ही अमेरिकी रक्षा तकनीक का एक बड़ा खरीदार है। पिछले वर्षों में भारत ने अमेरिका से अपाचे और चिनूक हेलीकॉप्टर, सी–17 और सी–130जे परिवहन विमान, पी–8आई समुद्री निगरानी विमान और एम–777 हल्की हॉवित्जर तोपें खरीदी हैं। इसके अलावा भारत अमेरिकी एक्सकैलिबर निर्देशित तोपखाना गोला–बारूद का भी इस्तेमाल करता है। इस तरह जेवलिन की संभावित खरीद दोनों देशों के बीच पहले से विकसित हो रहे रक्षा संबंधों की अगली कड़ी के रूप में देखी जा सकती है। भारत और अमेरिका के बीच रक्षा संबंध पिछले एक दशक में तेजी से बढ़े हैं।

दोनों देश अब केवल हथियारों की खरीद–बिक्री तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि रक्षा तकनीक, संयुक्त अभ्यास, सैन्य इंटरऑपरेबिलिटी और रक्षा उत्पादन में सहयोग बढ़ाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। पिछले वर्ष अक्टूबर में दोनों देशों ने एक व्यापक रक्षा साझेदारी के लिए एक ढांचा तैयार किया था, जिसका उद्देश्य जमीन, समुद्र, हवा, अंतरिक्ष और साइबर क्षेत्र में दोनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और सहयोग को बढ़ावा देना है।

बड़े साहब जी के चरणार्थ

जैसे कि आपको पता ही है कि हम चार चपरासी पिछले बीस सालों से आपके दफ्तर के दरवाजे पर बैठ आपके लिए काम करवाने आने वालों से आपके कहेनुसार रेट वसूलते रहे हैं। हमसे रेट वसूलवाते पता नहीं आप जैसे कितने बड़े साहब आए और आकर चले गए। पर हम वहीं के वहीं रहे साहब जी!

हे सबसे बड़े साहब जी! हमारे द्वारा वसूला रेट ऊपर तक जाता है, जैसा कि हमें बताया गया है। इसमें हमें कोई आपत्ति भी नहीं कि हमारे द्वारा जनता से वसूला रेट कहां जाता है? जहां जाता हो, वहां जाता रहे। अपना काम तो बस, काम करवाने आयों से आपके द्वारा तय रेट वसूलने के बाद ही उसे दफ्तर में प्रवेश करने की इजाजत देना है। और इस काम को पिछले बीस सालों से हम पूरी कर्त्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी से निभाते भी आ रहे हैं। हमने बिन रेट लिए आपके दफ्तर में आज तक किसी को घुसने नहीं दिया। चाहे वह यमराज ही क्यों न हो। लेकिन हमारी इस ईमानदारी और कर्त्तव्यनिष्ठा के बाद भी हम वहीं के वहीं बैठें हैं। उसी आपके दफ्तर के बाहर वाले स्टूल पर। और हमसे काम करवाने वाले पता नहीं कहां से कहां पहुंच गए।

कसम बीवी बच्चों की बड़े साहब जी! हमने जो आज तक जनता से वसूले पैसों में से एक पैसा भी अपनी जेब में रखा हो। हम वो ईमानदार आपके दफ्तर के कर्मचारी हैं जो पाई पाई छोटे बाबू की हथेली में पांच बजने के तुरंत बाद पूरी ईमानदारी से जमा करवाते रहे हैं। हमारी आपके दफ्तर के कितने सीसियर हैं, इस बात का अंदाजा इसी बात से आसानी से लगाया जा सकता है बड़े साहब जी!

बड़े साहब जी! हमें इस बात का बिल्कुल दुरूख नहीं कि हम गलत काम करते हैं। वैसे भी सही काम यहां कौन कर रहा है? सभी तो अपने अपने हिसाब से जनता को खा ही रहे हैं।

सियासी आपूर्ति का दरिया

हिमाचल प्रदेश विधानसभा में मांग और आपूर्ति का चिट्ठा खोलते प्रश्न बताते हैं कि कुछ अनावश्यक ढांचा हमने अपना लिया है। विधायक रणधीर शर्मा के प्रश्न के उत्तर में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि डिनोटिफाई 1526 स्कूलों में 734 ऐसे स्कूल हैं, जहां एक भी छात्र नहीं था। अगर इसी तरह हर विभाग की कार्यक्षमता का हवाला सामने आए तो यकीनन कई सफेद हाथी सामने आएंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में चंबा मेडिकल कालेज का जिक्र स्वयं मुख्यमंत्री ने किया है जहां फैकल्टी पूरी तरह कायम रखने के लिए आज भी जद्दोजहद करनी पड़ती है। यानी मांग और आपूर्ति के जिस हिसाब से शिक्षण व मेडिकल संस्थान खुले हैं, उनकी उपयोगिता सिद्ध करने की बुनियाद पर संदेह है। क्या चंबा में मेडिकल कालेज की स्थापना से चिकित्सकीय सेवाएं मुकम्मल होंगी या आधा चंबा जिला आज भी कांगड़ा के टीएमसी में खुद को सुविधाजनक पाता है। हमने एम्स को अहम व सत्ता के प्रभाव में तोलते हुए जो स्थान चयनित किया, क्या वह उचित निर्णय था या साबित हो रहा है। राजनीति गवाह है कि किस तरह हमारी सरकारों ने केंद्रीय विश्वविद्यालय से धर्मशाला की जमीन खींच ली। यहां कार्यालयों का भवन और संस्थानों को इमारतों की तरह देखते हुए क्षेत्रीय असंतुलन की एक प्रतिस्पर्धा दशकों से जारी है।

हमने शहरीकरण को इसकी मांग के आधार पर नहीं समझा, बल्कि राजनीतिक आधार पर नगर निगमों के गठन में समझा। प्रदेश की सबसे बड़ी औद्योगिक व शहरी आबादी बीबीएन में तकरीबन चार लाख है, तो क्या हम वहां की भौगोलिक, औद्योगिक, रिहायशी व नागरिक सुविधाओं की मांग को पूरा कर पाए। आश्चर्य यह कि जहां राजनीति का प्रभाव बढ़ गया, वहां शिक्षा–चिकित्सा, शहरी समाधान, बिजली व जलापूर्ति के प्रतिमान बढ़ गए। प्रदेश में परिवहन की मांग को जिस तरह निजी क्षेत्र ने समझा है, क्या उस स्तर का सोच सार्वजनिक क्षेत्र में पैदा हुआ। इतिहास गवाह है कि घाटे के बावजूद हर सरकार ने राजनीतिक बस डिपो बढ़ा दिए, जबकि मांग अलग जिरह करती रही। प्रदेश में कुछ ही सालों में निजी वोल्वो बसों का बेड़ा ढाई सौ के करीब पहुंच गया है, तो इस मांग को बाखूबी समझा गया। दूसरी ओर एचआरटीसी ने अगर 26 नई वोल्वो बसें जोड़ी भी, तो उनका तकाजा न बदला।

हिमाचल में पर्यटन क्षेत्र को समझने में भी सरकारी पक्ष की कमजोरी प्रदर्शित होती है। अब फोरलेन परियोजनाओं ने जिस तरह हाईवे टूरिज्म को बूस्ट दिया है, क्या उस परिप्रेक्ष्य में योजनाएं बनी हैं। आखिर टूरिस्ट जिस मौज मस्ती से या के लिए हिमाचल आना चाहता है, क्या हमने उस तस्वीर की आपूर्ति की है। हमने मंदिरों की आय को मंदिरों या श्रद्धालुओं की मांग पर आधारित नहीं किया, बल्कि इन्हें भी अनावश्यक रोजगार का गुलाम बना दिया।

कुर्सी बचाने में जुटे हैं सुक्खू, प्रदेश चलाने का विजन नहीं : जयराम ठाकुर

शिमला, एजेंसी। सुंदरनगर में पूर्व कर्मचारी प्रकोष्ठ के जिला स्तरीय सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि सरकार चार साल से गिरते–पड़ते चल रही है और मुख्यमंत्री जनहित के बजाय सरकार बचाने में व्यस्त हैं। प्रदेश में विकास कार्य प्रभावित हैं और सड़कों की हालत बदतर हो चुकी है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर हमला बोलते हुए कहा कि उनका एकमात्र एजेंडा अपनी कुर्सी बचाना रह गया है। सुंदरनगर में पूर्व कर्मचारी प्रकोष्ठ के जिला स्तरीय सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चार साल से गिरते–पड़ते चल रही है और मुख्यमंत्री जनहित के बजाय सरकार बचाने में व्यस्त हैं। प्रदेश में विकास कार्य प्रभावित हैं और सड़कों की हालत बदतर हो चुकी है। मंडी सहित कई क्षेत्रों में सड़कें गड्ढों में तब्दील हैं, जबकि तीखे मोड़ों पर सुरक्षा इंतजाम और पैरापिट तक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की लाइफलाइन मानी जाने वाली सड़कें अब हादसों का कारण बन रही हैं।

उन्होंने कर्मचारियों, पेंशनरों और बेरोजगार युवाओं की लंबित मांगों को लेकर भी सरकार को घेरा। कहा कि कर्मचारी और पेंशनर मांगों के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं तथा पूर्व कर्मचारियों को पेंशनरी लाभ और मेडिकल बिलों के भुगतान के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

मध्य प्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा ऑफलाइन होगी : सीएम मोहन यादव

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्य के शिक्षकों के लिए शिक्षक दिवस पर बड़ा ऐलान किया है और कहा है कि शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) ऑफलाइन देनी होगी। दरअसल सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर देश के सभी राज्यों में शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा आयोजित की जा रही है। मध्य प्रदेश में यह परीक्षा ऑनलाइन प्रस्तावित थी। शिक्षक इस परीक्षा का ही विरोध कर रहे हैं।

शिक्षक दिवस पर राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह राजधानी स्थित आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में आयोजित किया गया। इसका राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने टीईटी के माध्यम से ऑफलाइन परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया है। हमारा संकल्प है कि मध्य प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाए, हमारे शिक्षकों को सम्मान और बेहतर अवसर मिले तथा प्रदेश का हर विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर अपने सपनों को साकार कर सके। सिटीगाइड खोजें

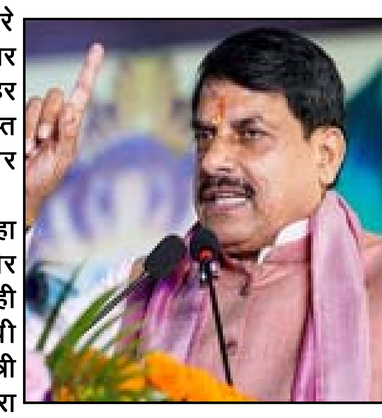

मुख्यमंत्री यादव ने आगे कहा कि आज दुनिया भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रही है। दुनिया भर में मची उथल–पुथल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। वहीं, आज शिक्षक दिवस के अवसर पर मैं देश और समाज के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका को नमन करता हूं।

गुरु की महिमा बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा जाता है कि जहां "गुरुर" समाप्त होता है, वहीं "गुरु" की प्राप्ति होती है। गुरु केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाला मार्गदर्शक होता है। हम सभी जानते हैं कि देश की किस्मत स्कूल की कक्षाओं में बनती है और उन कक्षाओं के अधिपति हमारे शिक्षक होते हैं। एक सच्चा शिक्षक उस समय सबसे अधिक आनंदित होता है, जब उसका शिष्य उससे भी आगे बढ़कर सफलता प्राप्त करता है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि मध्य प्रदेश में हमारे सरकारी विद्यालयों के शिक्षक अपने समर्पण और मेहनत से इस भावना को निरंतर साकार कर रहे हैं। जब मध्य प्रदेश बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम सामने आते हैं, तो मेरिट सूची में शामिल होने वाले विद्यार्थियों में आधे से अधिक बच्चे सरकारी स्कूलों से होते हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत

भारत की आर्थिक वृद्धि में घरेलू मांग की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। देश की बड़ी आबादी भारत के लिए एक विशाल उपभोक्ता बाजार तैयार करती है। जब लोगों की आय और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं तो वस्तुओं और सेवाओं की मांग में भी वृद्धि होती है। इससे उद्योग, व्यापार, परिवहन, पर्यटन, निर्माण और अन्य क्षेत्रों को गति मिलती है।

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत की अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर्ज कर एक बार फिर अपनी मजबूती का परिचय दिया है। यह आंकड़ा ऐसे समय सामने आया है, जब दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं महंगाई, भू–राजनीतिक तनाव, व्यापारिक अनिश्चितताओं और वैश्विक मांग में उतार–चढ़ाव जैसी चुनौतियों से जूझ रही हैं। भारत की 7.8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह देश की उत्पादन क्षमता, घरेलू मांग और आर्थिक गतिविधियों में निरंतरता का महत्वपूर्ण संकेत माना जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीडीपी वृद्धि के इन आंकड़ों को भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और देश की सामूहिक क्षमता का संकेत बताया है। सरकार का मानना है कि आर्थिक विकास की यह गति भारत को दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति और मजबूत करने में मदद करेगी। हालांकि, जीडीपी वृद्धि की वास्तविक सफलता का आकलन केवल प्रतिशत के आधार पर नहीं, बल्कि इस बात से भी होना चाहिए कि इसका लाभ आम नागरिक, किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों और युवाओं तक कितनी तेजी से पहुंचता है।

भारत की आर्थिक वृद्धि में घरेलू मांग की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। देश की बड़ी आबादी भारत के लिए एक विशाल उपभोक्ता बाजार तैयार करती है। जब लोगों की आय और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं तो वस्तुओं और सेवाओं की मांग में भी वृद्धि होती है। इससे उद्योग, व्यापार, परिवहन, पर्यटन, निर्माण और अन्य क्षेत्रों को गति मिलती है। जीडीपी में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि इस बात का संकेत हो सकती है कि अर्थव्यवस्था के विभिन्न हिस्सों में आर्थिक गतिविधियां बनी हुई हैं।

विनिर्माण क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सरकार लंबे समय से देश को उत्पादन का बड़ा केंद्र बनाने की कोशिश कर रही है। 'मेक इन इंडिया', उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं और बुनियादी ढांचे के विस्तार जैसे प्रयासों का उद्देश्य घरेलू उत्पादन बढ़ाने के साथ–साथ विदेशी निवेश आकर्षित करना है। यदि विनिर्माण क्षेत्र में निवेश और उत्पादन लगातार बढ़ता है, तो इसका सीधा असर रोजगार और निर्यात पर पड़ सकता है।

बुनियादी ढांचा भी आर्थिक विकास का एक प्रमुख आधार है। सड़कों, रेलवे, हवाई अड्डों, बंदरगाहों, बिजली और डिजिटल नेटवर्क में निवेश से न केवल तत्काल आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं, बल्कि लंबे समय में कारोबार की लागत भी कम होती है। बेहतर परिवहन व्यवस्था से किसान अपनी उपज बाजार तक तेजी से पहुंचा सकते हैं और उद्योगों को कच्चा माल तथा तैयार उत्पादों के परिवहन में सुविधा मिलती है। इसलिए जीडीपी वृद्धि को टिकाऊ बनाए रखने के लिए बुनियादी ढांचे में निरंतर निवेश आवश्यक है।

सेवा क्षेत्र भी भारत की आर्थिक ताकत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सूचना प्रौद्योगिकी, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, दूरसंचार, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और डिजिटल सेवाओं ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था विशेष रूप से तेजी से विकसित हुई है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन बैंकिंग और ई–कॉमर्स ने छोटे कारोबारियों से लेकर बड़े उद्योगों तक के काम करने के तरीके को बदला है। इससे आर्थिक गतिविधियों को अधिक औपचारिक बनाने में भी मदद मिली है।

कृषि क्षेत्र की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत की बड़ी आबादी आज भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। इसलिए आर्थिक विकास को व्यापक और समावेशी बनाने के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना जरूरी है। किसानों की आय, सिंचाई, भंडारण, कृषि प्रसंस्करण और ग्रामीण सड़कों जैसी सुविधाओं में सुधार होने से गांवों में मांग बढ़ सकती है। ग्रामीण मांग मजबूत होने पर इसका सकारात्मक असर उद्योग और सेवा क्षेत्र पर भी पड़ता है।

7.8 प्रतिशत की वृद्धि के बीच रोजगार का सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आर्थिक विकास तभी सार्थक माना जाएगा जब नए रोजगार के अवसर पैदा हों और युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप काम मिल सके। भारत के सामने हर वर्ष बड़ी संख्या में युवाओं के श्रम बाजार में प्रवेश करने की चुनौती है। इसलिए जीडीपी वृद्धि के साथ रोजगार आधारित विकास पर भी ध्यान देना होगा। केवल पूंजी आधारित विकास के बजाय श्रम–प्रधान उद्योगों, छोटे और मध्यम उद्यमों तथा स्थानीय कारोबार को बढ़ावा देना आवश्यक है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। छोटे उद्योग और कारोबार बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार देते हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सक्रिय रखते हैं। इन्हें सस्ता ऋण, तकनीकी सहायता, बाजार तक पहुंच और सरल कारोबारी प्रक्रियाएं मिलें तो आर्थिक वृद्धि का लाभ अधिक व्यापक स्तर तक पहुंच सकता है।

भारत की आर्थिक वृद्धि के सामने कुछ चुनौतियां भी मौजूद हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता, कच्चे तेल की कीमतों में उतार–चढ़ाव, भू–राजनीतिक तनाव, अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बदलाव और महंगाई जैसे कारक भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं। भारत को अपनी विकास दर को बनाए रखने के लिए घरेलू मांग को मजबूत रखने के साथ–साथ निर्यात क्षमता बढ़ाने पर भी जोर देना होगा। इसके अलावा आय और अवसरों में असमानता को कम करना भी जरूरी है। यदि आर्थिक विकास का बड़ा हिस्सा समाज के सीमित वर्ग तक केंद्रित रहता है, तो जीडीपी का ऊंचा आंकड़ा आम लोगों के जीवन में अपेक्षित सुधार नहीं ला पाएगा। शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा पर निवेश आर्थिक विकास को अधिक समावेशी बना सकता है।

भारत के लिए 7.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश आने वाले वर्षों में विकसित अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखता है। इसके लिए लंबे समय तक तेज और स्थिर आर्थिक वृद्धि की आवश्यकता होगी।

एक–दो तिमाहियों की अच्छी वृद्धि पर्याप्त नहीं होगी। भारत को लगातार कई वर्षों तक निवेश, उत्पादकता, रोजगार, निर्यात और मानव पूंजी में सुधार करना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आर्थिक विकास का अंतिम उद्देश्य आम नागरिक के जीवन स्तर को बेहतर बनाना होना चाहिए। यदि आर्थिक वृद्धि से रोजगार बढ़ता है, किसानों और श्रमिकों की आय में सुधार होता है, युवाओं को नए अवसर मिलते हैं, छोटे कारोबार मजबूत होते हैं और महंगाई नियंत्रण में रहती है, तो जीडीपी वृद्धि का वास्तविक अर्थ सामने आएगा। भारत के सामने अब चुनौती इस वृद्धि को लंबे समय तक बनाए रखने और उसके लाभ को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की है।

पूर्ण पुरुष क्यों हैं कृष्ण

मोहिता स्वामी

कृष्ण एक ऐसे भगवान हैं, जिन्होंने जीवन को स्वीकार किया। कृष्ण को किसी एक परिभाषा में नहीं बाँध सकते। संसार में अनेक महापुरुष हुए, अवतार हुए पर कृष्ण जैसा कोई नहीं हुआ। कृष्ण सब कुछ हैं और सबसे परे भी हैं। कृष्ण रणभूमि में योद्धा हैं तो बांसुरी की धुन में प्रेम हैं वे रास में भी हैं और ध्यान में भी हैं वे शरारत करते हैं छल करते हैं फिर भी निर्विकार हैं। वे कहते हैं, मैं जो कुछ भी करता हूँ उसमें मैं नहीं हूँ। यही वह रहस्य है जो कृष्ण को पृथक बनाता है वे कर्ता नहीं साक्षी हैं। उनका हर कर्म एक नृत्य हैं क्योंकि वे उसमें खोते नहीं उसे साक्षी भाव से देखते हैं। वे कहते हैं कर्म कर पर फल की चिन्ता मत कर। मैं को हटाकर सब कार्य करना, साक्षी भाव से अपने भीतर की ओर देखना ही ध्यान है। ध्यान का मतलब मात्र आँखें बंद करना नहीं है बल्कि अपने अन्तर्मन में उतरना है। कृष्ण ने कहा है जीवन में उतर जाओ। कृष्ण की सुन्दरता इसी में है कि वे विरोधाभास में रहते हैं। जीवन एकरसता में नहीं बहता वह एक नदी के बहाव की तरह ऊबड़–खाबड़ रास्तों से होता हुआ अनेक अन्तर्विरोधों के साथ सहजता के साथ बहता है। गीता में दिया गया उपदेश भी हमें जीवन और मृत्यु दोनों को स्वीकारने का स्पष्ट संदेश देता है।

श्रीकृष्ण को भगवान विष्णु का आठवां अवतार माना जाता है। वे देवकी और वसुदेव के पुत्र थे पर उनका पालन–पोषण माता यशोदा ने किया था। भगवान श्रीकृष्ण के बारे में कहा जाता है कि वे सोलह कलाओं और चौंसठ विधाओं में निपुण थे, जो उन्होंने उज्जैन में स्थित सांदीपनी गुरू के आश्रम में रहकर मात्र 64 दिनों में सीखी थी। यहां यह जानना रुचिकर होगा कि हमारी प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था अत्यन्त व्यापक थी। पुरानी शिक्षा प्रणाली में केवल शास्त्रीय या किताबी ज्ञान ही नहीं बल्कि जीवन जीने के लिए उपयोगी लौकिक ज्ञान का भी सम्यक समावेश होता था। लौकिक ज्ञान के अन्तर्गत कलाओं का भी विशेष महत्व था। पौराणिक और ऐतिहासिक साक्ष्यों के अनुसार श्रीकृष्ण और उनके बड़े भाई बलराम ने अवन्तिकापुरी उज्जैन में स्थित महर्षि सांदीपनी के आश्रम में इन 16 विधाओं और 64 कलाओं की शिक्षा बहुत कम समय में ग्रहण की थी। कहते हैं वे प्रतिदिन एक नई कला या विद्या सीखते थे और उसमें पारंगत हो जाते थे। यह प्राचीन गुरुकुल पद्धति की उत्कृष्टता और कृष्ण के अलौकिक जिज्ञासु शिक्षार्थी होने को दर्शाता है। यूँ तो कलाएं अनन्त हैं लेकिन प्राचीन भारतीय संस्कृति में एक सुसंस्कृत और परिपूर्ण व्यक्ति में ये 64 कलाएं आवश्यक मानी जाती हैं जो कृष्ण को पूर्णतः आती थीं इसी कारण कृष्ण को पूर्ण पुरुष कहा गया।

राधा भी हैं पूर्ण स्त्री

प्राचीन धार्मिक और पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार श्री राधा रानी भगवान कृष्ण की आन्तरिक शक्ति हैं, कहते हैं उन्हें भी पूर्ण स्त्री और सर्वोच्च शक्ति माना जाता है तभी तो कृष्ण जो कि पूर्ण पुरुष हैं उनकी मित्र राधा बनती हैं क्योंकि वो भी पूर्ण हैं सर्वोच्च हैं।

पौराणिक और आध्यात्मिक मान्यताओं के अनुसार राधा और कृष्ण दो अलग–अलग सत्ता नहीं बल्कि एक ही चेतना के दो रूप हैं। ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार राधा भगवान कृष्ण की आदि शक्ति स्वरूपा हैं। राधा की पहली उपस्थिति साहित्य में 12वीं शताब्दी में जयदेव द्वारा रचित गीत गोविन्द के अतिरिक्त निम्बार्काचार्य की दार्शनिक रचनाओं में मिलती है। राधा का वर्णन पुराणों में भी मिलता है। ब्रह्मवैवर्त पुराण में कृष्ण की सर्वोच्च शक्ति के रूप में, मत्स्य पुराण में देवी के रूप में, लिंग पुराण में लक्ष्मी के रूप में कृष्ण की प्रेमिका के रूप में तथा अन्य पुराणों में प्रेम की देवी के रूप में राधा का उल्लेख मिलता है।

कृष्ण के प्रति राधा का प्रेम भौतिक या सांसारिक स्वार्थ से परे, पूर्णतः निष्काम और आध्यात्मिक था। इसे प्रेम और भक्ति की सर्वोच्च स्थिति कहते हैं जिसमें प्रेम और प्रिय का भेद मिट जाता है। राधा ने अपने अहं को त्यागकर कृष्ण को अपना सर्वस्व माना था। उनके समर्पण पूर्ण रूप से आत्मा और परमात्मा के प्रति मिलन था। शास्त्रों में कृष्ण और राधा को एक–दूसरे का पूरक माना गया है। राधा के बिना कृष्ण और कृष्ण के बिना राधा अधूरे हैं। हमारी भारतीय धार्मिक परम्परा में राधा–कृष्ण लिखा जाता है जो यह रेखांकित करता है, कि हमारी संस्कृति में ईश्वर के नाम से पहले शक्ति का नाम लिया जाता है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी है कल चार सितम्बर को। हम सभी भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव मनाते हैं ठाकुर जी को झूला झुलाते हैं प्रसाद बनाते हैं, नए कपड़े पहनाते हैं भगवान को, गीत गाते हैं, खुश होते हैं, यह सब अच्छा है मगर हम यह नहीं जानते कि कृष्ण का जन्म एक संयोग नहीं है, न ही वे साधारण अवतार हैं। जन्माष्टमी कोई एक साधारण तिथि नहीं है जिसे हम शोर मचा कर उत्सव मनाकर बिता दें। कृष्ण जीवन के सबसे बड़े रहस्य का नाम है। जन्माष्टमी घोर अंधकार के बीच चेतना के विस्फोट का उत्सव है। यह संकेत है इस बात का कि परमात्मा हमेशा वहीं जन्म लेता हैं जहां अंधकार होता है। कंस का कारागार भी कोई साधारण जेल नहीं है।

इस जेल में पहरेदार थे मृत्यु का भय हर पल सता रहा था ऐसे समय में कृष्ण का जन्म होता है। यह संकेत है इस बात का कि जब भी हमारा मन परेशान होता है हम हारा हुआ महसूस करते हैं ठीक उसी समय हमारे भीतर एक चेतना जन्म लेने के लिए तैयार रहती है हमें उस चेतना को जाग्रत करने के लिए सचेत रहना होगा। अपने हृदय को खुला रखना होगा ताकि परमात्मा उतर सके, जन्म ले सके हमारे भीतर। कृष्ण जन्म की कहानी में जब वसुदेव कृष्ण को लेकर नंद गांव जाने के लिए निकलते हैं तो पहरेदार सो जाते हैं हथकड़ियाँ खुल जाती हैं। यमुना उफान पर हैं पर उनका पैर पड़ते ही वे थम कर नीचे हो जाती हैं। यह सब एक प्रतीक है चमत्कार की कहानी नहीं है। क्योंकि यही सच है कि जब चेतना जाग्रत होने को होती है तो बाहर के सारे बन्धन शिथिल पड़ने लगते हैं।

कृष्ण की हर कहानी हमें जीवन का एक गहरा संदेश देती है कि यदि कोई जागना चाहता है तो मन और अहंकार की मजबूत दीवार भी अपने आप ढहने लगती हैं। यमुना का प्रतीक मन की धारा के रूप में हैं। चेतना यदि अपने पूर्ण रूप में जाग्रत हो तो बाहरी सभी शोर कम हो जाता है। कृष्ण का माखन चुराना भी हमें यही बताता है कि परमात्मा किसी नियम कानून में नहीं बंधता उसे पाने के लिये सहज और सरल होना जरूरी है। कृष्ण अपनी समस्त लीलाओं के माध्यम से हमें बताते हैं कि समाज ने जो सीमाएं, मर्यादायें.....हैं वे जीवन के सहज प्रवाह को रोकती हैं अतः कृष्ण उस सहजता के प्रतीक हैं जो नियमों में न बंधकर भी अधर्म नहीं करते। उनकी रास लीला अस्तित्व के साथ परम नृत्य की कथा है जो यह संदेश देती है कि परमात्मा हर व्यक्ति के साथ है अपने पूर्ण रूप में हैं।

गीता में अर्जुन को दिया गया उपदेश मात्र युद्ध के लिए अर्जुन को उकसाना नहीं है अपितु वह एक समग्र जीवन दर्शन है, वे कहते हैं कर्म करो फल की चिन्ता मत करो। यह जितना सरल दिखाई देता है उतना ही कठिन है इसे जीवन में उतारना। कृष्ण कहते हैं कि कर्म को डूबकर करो, पूरी लगन और निष्ठा से। कर्म करते समय सिर्फ कर्म के बारे में सोचो फल अपने आप आयेगा। यह कोई अकर्मण्यता की शिक्षा नहीं है बल्कि यह अनासक्त कर्म की शिक्षा है। जिसे सही तरीके से समझ लें तो जीवन आसान हो जायेगा। बिना भविष्य की चिन्ता किये बिना अतीत को याद किये, वर्तमान में रहने की बात सिखाते हैं कृष्ण। जो जीवन जीने की सच्ची कला है। कृष्ण जब अर्जुन से कहते हैं कि डरो मत युद्ध करो, आत्मा तो अजर अमर है न वह जन्म लेती है और न मरती है, तो यह मात्र एक आमंत्रण है भय से मुक्त होने का। कृष्ण इसीलिये पूर्ण अवतार हैं, पूर्ण पुरुष हैं क्योंकि वे जीवन से भरे हुये हैं, सहज हैं, सरल हैं।

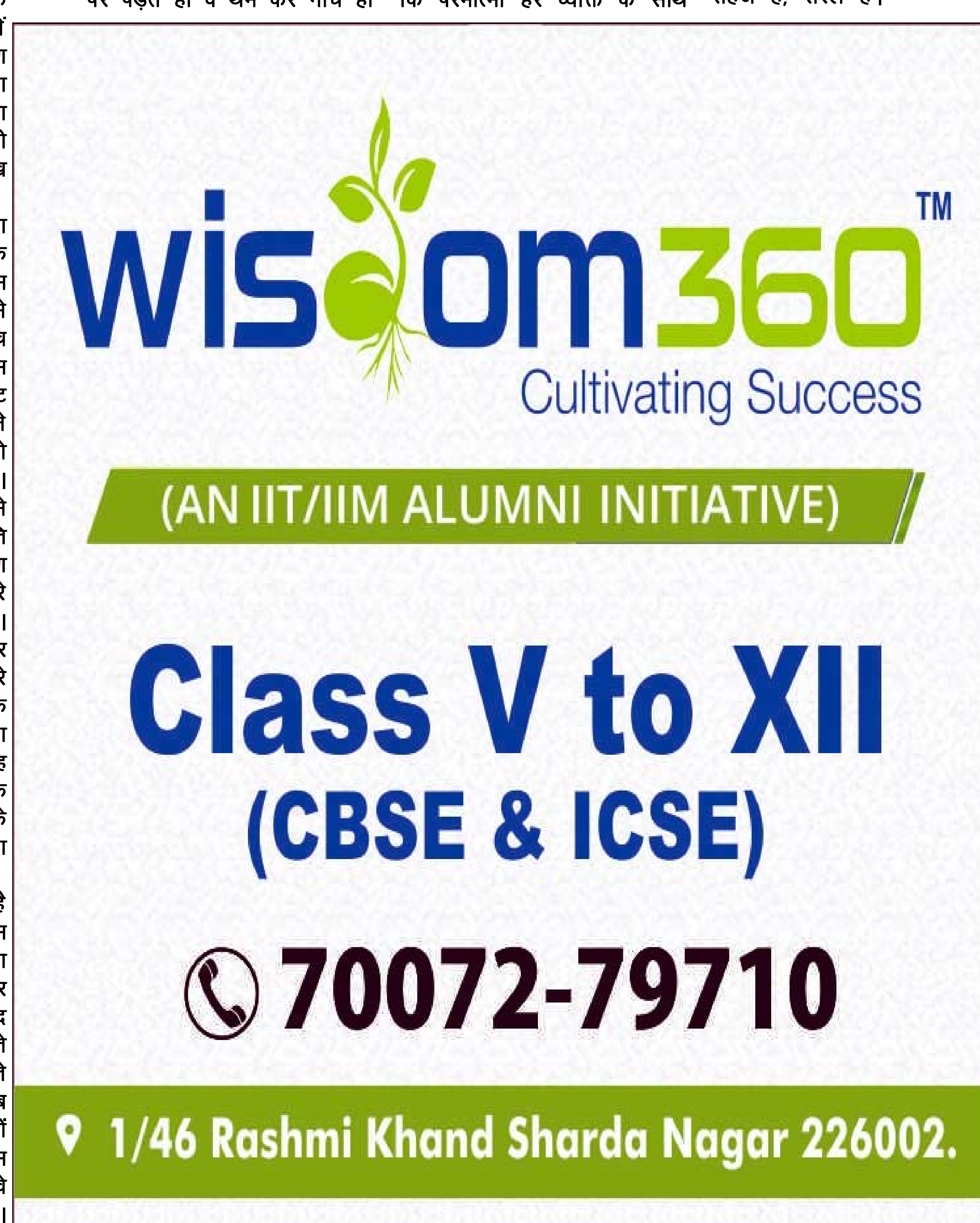

यात्री वाहन उद्योग की बिक्री वित्त वर्ष 2027 में 53–54 लाख तक पहुंच सकती है मारुति-सुजूकी

मारुति सुजूकी इंडिया के वरिष्ठ कार्याधिकारी (मार्केटिंग ऐंड सेल्स) पार्थो बनर्जी ने कहा कि वित्त वर्ष 2027 में भारतीय यात्री वाहन (पीवी) उद्योग के कम से कम 10 प्रतिशत सालाना बढ़ने की उम्मीद है। सालाना बिक्री के 53–54 लाख वाहन तक पहुंचने की संभावना है, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा लगभग 48 लाख वाहन था।

उन्होंने कहा कि पीवी उद्योग में अभी हर महीने औसतन लगभग 4,50,000 वाहनों की बिक्री हो रही है। यात्री वाहन उद्योग के लिए मारुति का वृद्धि अनुमान ह्युंडै की तुलना में काफी ज्यादा आशावादी है। ह्युंडै मोटर इंडिया (एचएमआईएल) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्याधिकारी तरुण गर्ग ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि यात्री वाहन उद्योग में वित्त वर्ष 2027 में सालाना आधार पर 5–6 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

बनर्जी ने सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) के 66वें सालाना सम्मेलन के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भूराजनीतिक हालात (पश्चिम एशिया में संघर्ष) के बावजूद यात्री वाहन उद्योग अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और मौजूदा हालात भी अनुकूल बने हुए हैं।

उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2027 की दूसरी छमाही में भारतीय यात्री वाहन उद्योग की वृद्धि की रफ्तार धीमी हो जाएगी क्योंकि उद्योग को ऊंचे आधार का सामना करना पड़ेगा, लेकिन पूरे साल के लिए यह सालाना आधार पर लगभग 10 प्रतिशत रहेगी।

किआ की पहली हाइब्रिड एसयूवी सोरेंटो भारत में लांच

दक्षिण कोरियाई कार कंपनी किआ कॉर्पोरेशन ने सोरेंटो को भारतीय बाजार में पेश किया जिसमें रियल टाइम जेनरेटिव एआई जैसे कई फीचर पहली बार शामिल किए गए हैं। सोरेंटो को हाइब्रिड (एचईवी) और डीजल इंजन के विकल्प के साथ पेश किया गया है। डीजल इंजन वाले मॉडल की कीमत 27.99 लाख रुपये से 38.89 लाख रुपये तक और हाइब्रिड इंजन वाले मॉडल की कीमत 29.49 लाख रुपए से 40.39 लाख रुपए तक रखी गई है।

किआ की भारतीय इकाई किया इंडिया घरेलू बाजार के लिए सोरेंटो का उत्पादन आंध्र प्रदेश के अनंतपुर स्थित अपने संयंत्र में कर रही है। यह देश में किआ की पहली हाइब्रिड एसयूवी है। इसके कंपनी भारत में प्रीमियम थ्री–रो एसयूवी में पहली बार प्रवेश कर रही है। इसे छह सीटर और सात सीटर के वैकल्पिक कॉन्फिग्रेशन में पेश किया गया है।

किआ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ग्वांग् ली ने यहां आयोजित लॉन्चिंग कार्यक्रम में बताया कि सोरेंटो को भारतीय ग्राहकों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर बनाया गया है। यह दुनिया में कहीं भी पेश किये गये सोरेंटो का सबसे आधुनिक संस्करण है। सोरेंटो में 10 एयर बैग दिये गये हैं। श्री ली ने दावा किया कि इसे इस तरह बनाया गया है कि यह दुनिया के अधिकतर सुरक्षा मानकों से आगे है। दुनिया में कहीं भी पहली बार सोरेंटों में एआई एसिस्टेंट फीचर दिया गया है।किया इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (बिक्री एवं विपणन) अतुल सून ने बताया कि सोरेंटो की लंबाई 4.8 मीटर और व्हील बेस 2.8 मीटर है। इसकी चौड़ाई 1.9 मीटर और ऊंचाई 1.78 मीटर है। यह आठ रंगों में उपलब्ध होगा। इसके अलावा कंपनी ने कार्निवल का हाइब्रिड मॉडल और केरेन्स क्लेविस का सीएनजी मॉडल भी पेश किया। सिरॉस का फ्लेक्स फ्यूल कॉन्सेप्ट मॉडल भी पेश किया गया जो ई100 तक किसी भी अनुपात में एथेनॉल–पेट्रोल मिश्रण पर चल सकता है।

अपनी प्रौद्योगिकी को वैश्विक बाजार में ले जाने की तैयारी में जियो

रिलायंस समूह की कंपनी जियो अगले एक दशक में कनेक्टिविटी के साथ प्रौद्योगिकी पर फोकस करते हुए वैश्विक बाजार में खुद को स्थापित करने का प्रयास करेगी। रिलायंस जियो के 10 साल पूरे होने के मौके पर कर्मचारियों को लिखे एक पत्र में कंपनी के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा कि जियो अब दूरसंचार कंपनी मात्र नहीं है। कंपनी कनेक्टिविटी के साथ डिजिटल उत्पाद, उद्यम समाधान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में अपनी प्रौद्योगिकी विकसित कर रही है। अगला लक्ष्य इन प्रौद्योगिकियों को बड़े पैमाने पर भारतीयों तक पहुंचाने के साथ दुनिया के दूसरे बाजारों में भी ले जाना है।

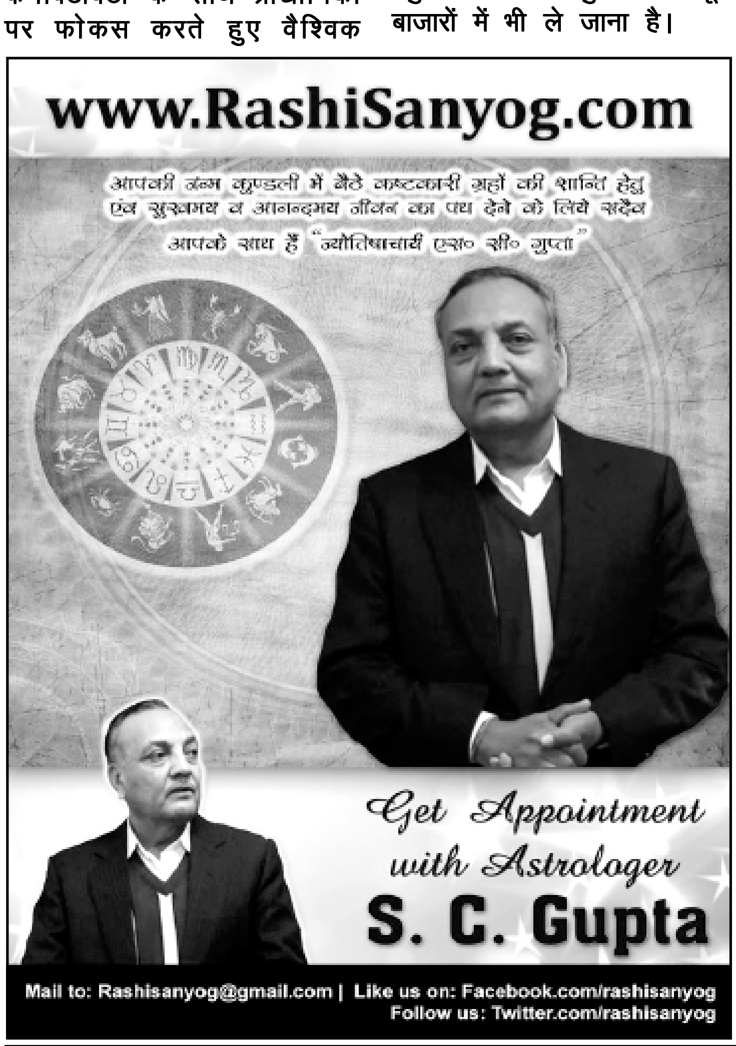

ह्युंडै की ईवी बिक्री बढ़ने की उम्मीद, अगले वित्त वर्ष में हिस्सेदारी 7–8 फीसदी तक पहुंच सकती है

ह्युंडै मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी तरुण गर्ग के अनुसार कंपनी को उम्मीद है कि अगले वित्त वर्ष में उसकी कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की हिस्सेदारी 7–8 प्रतिशत हो जाएगी। कंपनी नए मॉडलों के साथ अपने इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है। इसमें खास तौर पर चार मीटर से कम लंबाई वाले ईवी भी शामिल है। साथ ही, कंपनी को यह भी उम्मीद है कि 2030 तक उसकी कुल बिक्री में ईवी, हाइब्रिड और सीएनजी गाड़ियों की हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत होगी।

कंपनी ने 2025–26 में घरेलू बाजार में 5,84,906 गाड़ियां बेचीं, जबकि इस वित्त वर्ष में अप्रैल–अगस्त के दौरान उसकी घरेलू बिक्री में सालाना आधार पर 12.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। ह्युंडै ने अगस्त में घरेलू स्तर पर 54,396 गाड़ियां बेचीं, जो सालाना आधार पर 23.6 प्रतिशत ज्यादा हैं और इस महीने के लिए उसकी अब तक की सबसे अधिक बिक्री है। फिलहाल क्रेटा इलेक्ट्रिक कंपनी के आमजन के बाजार में इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो का मुख्य हिस्सा है। आयोनिक 5 प्रीमियम सेगमेंट के लिए है। क्रेटा इलेक्ट्रिक की मासिक बिक्री पहले के 400–500 वाहन से बढ़कर लगभग 1,000 वाहन हो गई है। गर्ग ने कहा कि क्रेटा इलेक्ट्रिक की मांग में बढ़ोतरी अस्थायी नहीं, बल्कि लगातार बनी हुई है। कंपनी इस मॉडल के वेटिंग पीरियड को कम करने पर भी काम कर रही है, जो अभी लगभग चार से आठ सप्ताह के बीच है।ह्युंडै एक खास 'बॉर्न–इलेक्ट्रिक' मॉडल के साथ चार मीटर से कम वाले ईवी सेगमेंट में उतरने की भी तैयारी कर रही है। गर्ग को उम्मीद है कि इससे कंपनी की वृद्धि को और बढ़ावा मिलेगा। इस सेगमेंट में पहले से ही टाटा पंच ईवी और नेक्सॉन ईवी जैसे ज्यादा बिकने वाले इलेक्ट्रिक मॉडल मौजूद हैं।

ऑस्ट्रेलियाई निवेशकों के लिए खुले महाराष्ट्र के दरवाजे, 11 क्षेत्रों में सहयोग का बड़ा समझौता

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि मुंबई और सिडनी क्रमशः भारत और ऑस्ट्रेलिया के वित्तीय एवं व्यावसायिक प्रवेश द्वार हैं। इसलिए न्यू साउथ वेल्स की वित्तीय संस्थाओं, पेशेवर सेवा कंपनियों, बुनियादी ढांचा निवेशकों और सुपरएन्युएशन फंडों को महाराष्ट्र को भारत में निवेश के प्रमुख प्रवेश द्वार के रूप में देखना चाहिए, महाराष्ट्र में परिवहन बुनियादी ढांचे, औद्योगिक कॉरिडोर, शहरी विकास, अक्षय ऊर्जा और डिजिटल बुनियादी ढांचे के विस्तार से दीर्घकालीन निवेश के बड़े अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र को 2047 तक विकसित और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी राज्य बनाने के लक्ष्य के अनुरूप न्यू साउथ वेल्स के साथ सहयोग को आगे बढ़ाया जाएगा। प्रौद्योगिकी, विनिर्माण और ऊर्जा संक्रमण के क्षेत्र में भी व्यापक सहयोग की संभावनाएं हैं।

महाराष्ट्र इलेक्ट्रिक वाहनों, बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उन्नत विनिर्माण के क्षेत्र में मजबूत इकोसिस्टम विकसित कर रहा है। न्यू साउथ वेल्स के खनन प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा और नवाचार के अनुभव का उपयोग बैटरी निर्माण, हरित हाइड्रोजन, अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में संयुक्त परियोजनाएं विकसित करने के लिए किया जा सकता है।

भारत से हारने के बाद फूटा फातिमा सना का गुस्सा, अपनी ही टीम को सुनाई खरी–खोटी

वुमेंस एशिया कप 2026 का 9वां मैच भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराकर एक बड़ी जीत दर्ज की। यह इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया की लगातार तीसरी जीत है। वहीं पाकिस्तान को इस एशिया कप में पहली हार का सामना करना पड़ा है। टीम इंडिया से हारने के बाद पाक कप्तान फातिमा सना काफी गुस्से में नजर आई और उन्होंने इस हार का ठीकरा अपने बल्लेबाजों पर फोड़ दिया।

पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन सेरेमनी में फातिमा सना ने कहा कि हमारी बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और हम पूरे मैच में रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे। पहले बल्लेबाजी करने के फैसले पर उन्होंने बताया कि पिच बिल्कुल नई थी, इसलिए हम बोर्ड पर ज्यादा से ज्यादा रन बनाना चाहते थे क्योंकि हमें अपनी गेंदबाजी पर पूरा भरोसा था। अपने शानदार तीन विकेटों के प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत प्रदर्शन का कोई मतलब नहीं रह जाता जब टीम मैच हार जाती है, क्योंकि असली जरूरत जीत की थी। आगे के सफर को लेकर उन्होंने कहा कि अगले मैच में हम अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे और आखिरी मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की पूरी कोशिश करेंगे।

मुकाबले की बात करें तो पाकिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.1 ओवर में 55 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाब में टीम इंडिया ने 8.4 ओवर में 57 रन बनाकर इस मैच को अपने नाम किया। भारत ने ये मैच 68 गेंद रहते जीता। आपको बता दें कि बची हुई गेंदों के हिसाब से यह महिला टी20 में भारत की अब तक की चौथी सबसे बड़ी जीत है। इस मामले में टीम इंडिया ने सबसे बड़ी जीत साल 2022 में दर्ज की थी। वहां उन्होंने थाईलैंड को 84 गेंद रहते हरा दिया था।

मैच जीतने के बाद हरमनप्रीत कौर ने कहा कि यह मैच हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण था और पूरी टीम के शानदार प्रदर्शन से मैं बेहद खुश हूं क्योंकि हम बिना कोई ढील दिए खेलने की बात करते हैं और टीम ने वैसा ही कर दिखाया। उन्होंने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा कि सभी ने बेहतरीन गेंदबाजी की, अपने प्लान पर टिके रहे और पिच के मिजाज को बहुत अच्छे से समझा। मैच में तीन विकेट गंवाने पर उन्होंने कहा कि यह खेल का हिस्सा है। सामने वाली टीम ने भी कुछ अच्छी गेंदें फेंकीं, लेकिन सबसे जरूरी बात क्रीज पर टिके रहना और मैच को जल्द से जल्द खत्म करना था।

भारत के खिलाफ करारी हार के बाद इरफान पठान ने उड़ाया पाकिस्तान का मजाक

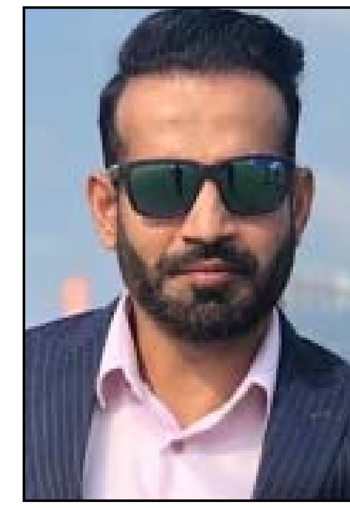

महिला एशिया कप में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में सात विकेट से शानदार जीत दर्ज की। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन यह निर्णय टीम के लिए भारी पड़ गया। भारतीय स्पिनरों ने पाकिस्तान के बल्लेबाजी क्रम को पूरी तरह तहस–नहस कर दिया। श्री चरणी और प्रेमा रावत ने गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन–तीन विकेट झटके। भारतीय गेंदबाजों के सामने पाकिस्तान की पूरी टीम सिर्फ 55 रन पर सिमट गई। भारत ने इसके बाद बेहद आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम ने महज 8.4 ओवर में तीन विकेट गंवाकर 56 रन बना लिए। कप्तान हरमनप्रीत कौर 18 रन और दीप्ति शर्मा 12 रन बनाकर नाबाद रहीं।भारत की इस बड़ी जीत के बाद पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पाकिस्तान पर मजेदार अंदाज में तंज कसा। पठान का यह पोस्ट 2025 पुरुष एशिया कप के दौरान उनके वायरल बयान की याद दिलाता है।

100 कि.मी. दौड़कर गेंद फेंकी, एंड्रयू स्ट्रॉस की दिवंगत पत्नी की याद में सैम ने बनाया रिकॉर्ड

इंग्लैंड के सैम बोडोआनो ने गेंद फेंकने के लिए करीब 100 किलोमीटर का रनअप लेकर अनोखा कारनामा किया। उन्होंने 14 घंटे में लॉर्ड्स से वोकिंग तक दौड़ पूरी की और इसके बाद गेंद फेंकी। इस प्रयास से कैंसर चौरिटी के लिए 6,000 पाउंड जुटाए गए। सैम ने गिनीज बुक के लिए आवेदन भी किया है।

आपने एक गेंद फेंकने के लिए सबसे लंबा रनअप किस गेंदबाज का देखा है? निश्चित तौर पर आप जिन्हें याद करेंगे, उन सभी का रनअप 30 गज के सर्किल के आसपास से शुरू होता था। लेकिन इंग्लैंड के सैम बोडोआनो ने मीटर नहीं, बल्कि 100 किलोमीटर लंबा

रनअप लेकर दौड़ लगाने के बाद गेंद फेंककर विश्व रिकॉर्ड के लिए दावा ठोका है। सैम बोडोआनो ने इस अनूठे कारनामे से कैंसर चौरिटी के लिए 6,000 पाउंड (करीब 7.65 लाख रुपये) जुटाए हैं, जो श्द रूथ स्ट्रॉस फाउंडेशनश को मिलेंगे। इसकी स्थापना इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेट कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस ने अपनी दिवंगत पत्नी रूथ की याद में कैंसर पीड़ित मरीजों की मदद के लिए की है। 46 साल की रूथ का निधन फेफड़ों के एक दुर्लभ कैंसर से जूझने के बाद हुआ था। सैम बोडोआनो ने 29–30 अगस्त की रात लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम से अपने रनअप पर दौड़ना शुरू किया। वह क्रिकेट की सफेद ड्रेस पहने हुए थे। यहां से उन्हें करीब 100 किलोमीटर दूर स्थित सरे के वोकिंग स्थित वैली एंड क्रिकेट क्लब पहुंचकर गेंद फेंकनी थी। उन्होंने यह दौड़ करीब 14 घंटे तक दौड़ते हुए पूरी की।

बड़े पर्दे पर आएगी हिमाचल की फिल्म 'खूंटा', 18 सितंबर को रिलीज होगी शिलाई की अनुशी शर्मा की मूवी

सिरमौर के गिरिपार क्षेत्र की संस्कृति, देव आस्था और पहाड़ी जीवन की कहानी अब देश भर के बड़े पर्दे पर नजर आएगी। शिलाई क्षेत्र से संबंध रखने वाली युवा फिल्मकार अनुशी शर्मा की लिखित, निर्देशित और अभिनीत फिल्म 'खूंटा' 18 सितंबर को देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। 'खूंटा' हिमाचल से कान्स तक पहुंचने वाली पहली फिल्मों में शामिल है। फिल्म की कहानी गिरिपार के एक गांव की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जहां महासू महाराज के प्रति गहरी देव आस्था, परंपराएं और पहाड़ी समाज का जीवन आपस में जुड़े हुए हैं। फिल्म में आधुनिकता के बढ़ते प्रभाव और कमजोर पड़ती परंपराओं के बीच पहाड़ के लोगों के संघर्ष को संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया गया है।

फिल्म का शीर्षक 'खूंटा' इंसान के अपनी जमीन, जड़ों और पुरखों से जुड़े रिश्ते का प्रतीक है। कहानी एक ऐसी महिला के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसका पति लापता है और वह वर्षों से उसके लौटने का इंतजार कर रही है। हालांकि फिल्म सिर्फ उसके इंतजार की कहानी नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से नदी, प्रकृति, देव संस्कृति, परंपराओं और तेजी से बदलते पहाड़ी समाज के रिश्तों को भी सामने लाया गया है। फिल्म में सिरमौर के गिरिपार क्षेत्र के साथ उत्तराखंड के जौनसार–बावर की खूबसूरत वादियों, रीति–रिवाजों और देव संस्कृति को भी प्रमुखता से दिखाया है।

'खूंटा' का मई, 2026 में कान्स फिल्म मार्केट में प्रदर्शन हो चुका है। फिल्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली है। इसे लंदन इंडिपेंडेंट फिल्म अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ विदेशी फीचर फिल्म का सम्मान मिला है। इसके अलावा कोलकाता में इंडियन मूवी अवार्ड्स में फिल्म को बेस्ट इंडियन फीचर फिल्म का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है। शिलाई की बेटी अनुशी शर्मा की इस उपलब्धि से पूरे गिरिपार क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।

टीवी की चाहत ने बिकिनी में घायल कर दिए फैन्स, दिखा हॉट अवतार

टीवी की मशहूर अभिनेत्री चाहत खन्ना इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। चाहत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ताजा तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका बोल्ड अंदाज खूब चर्चा में हैं। चाहत खन्ना ने मालदीव में समंदर के किनारे बिकिनी में फोटोशूट किया है और कुछ तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर की हैं। हालांकि यह तस्वीरें चार दिन पहले की हैं, लेकिन इंटरनेट पर छायी हुई हैं। बिकिनी में चाहत खन्ना अपना टोंड फिगर फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। चालीस वर्षीय चाहत खन्ना का दो बार तलाक हो चुका है। चाहत ने वर्ष 2006 में भरत नरसिंघानी से शादी की थी, जो जल्द ही टूट गई। फिर इसके बाद 2013 में उन्होंने दूसरे धर्म फरहान मिर्जा से शादी की, लेकिन 2018 में यह शादी भी टूट गई।

तुम्बाड 2 प्रोजेक्ट पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी को गर्व

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट तुम्बाड 2 के बारे में खुलकर बात की है और बताया है कि दर्शक पहले पार्ट के लंबे इंतजार वाले सीक्वल से क्या उम्मीद कर सकते हैं। शेखर सुमन के साथ बातचीत के दौरान, नवाजुद्दीन सिद्दीकी से उस प्रोजेक्ट के बारे में पूछा गया जिस पर वह अभी काम कर रहे हैं और क्या तुम्बाड का दूसरा पार्ट पहली फिल्म का सीक्वल होगा, जिसने बहुत बड़ी सफलता हासिल की और एक मजबूत कल्ट फॉलोइंग बनाई।

प्रोजेक्ट के साथ अपने जुड़ाव को कन्फर्म करते हुए, एक्टर ने कहा, "तुम्बाड, तुम्बाड, हाँ।" जब पूछा गया कि दूसरा पार्ट कैसे अलग होगा और क्या यह कहानी को आगे बढ़ाएगा, तो नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बताया कि कहानी सच में आगे बढ़ रही है। प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, "अब, इसका कंटिन्यूएशन आगे बढ़ रहा है। यह एक बहुत ही अमेजिंग प्रोजेक्ट है।"

उनके कमेंट्स ने तुम्बाड 2 को लेकर उम्मीदें और बढ़ा दी हैं, खासकर इसलिए क्योंकि ओरिजिनल तुम्बाड आज के इंडियन सिनेमा की सबसे खास फिल्मों में से एक बनी हुई है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने आने वाले प्रोजेक्ट को "बहुत अमेजिंग" और कुछ ऐसा बताया है जिस पर उन्हें गर्व हो सकता है, इसलिए उम्मीदें स्वाभाविक रूप से बढ़ रही हैं कि कंटिन्यूएशन में क्या है। हालांकि सोहम शाह की तुम्बाड 2 की स्टोरीलाइन और बड़ी दुनिया के बारे में डिटेल्स अभी भी सीक्रेट हैं, लेकिन नवाजुद्दीन सिद्दीकी के शब्द प्रोजेक्ट पर काम करने के उनके अनुभव की एक रोमांचक झलक दिखाते हैं। उनका यह कन्फर्मेशन कि कंटिन्यूएशन आगे बढ़ रहा है, निश्चित रूप से उन दर्शकों के बीच और उत्सुकता जगाएगा जो अगले चैप्टर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कहानी आगे बढ़ने के साथ, तुम्बाड 2 पहले से ही आने वाले प्रोजेक्ट्स में से एक बन रहा है, जिसका बेसब्री से इंतजार है, और नवाजुद्दीन सिद्दीकी का एक्साइटमेंट फिल्म के आस–पास की दिलचस्पी को और बढ़ा देता है।

आखिर क्या घोषणा करने वाली हैं कृति खरबंदा

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति खरबंदा की हालिया इंस्टाग्राम स्टोरीज ने उनके प्रशंसकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। कृति खरबंदा ने लगातार कुछ ऐसी तस्वीरें साझा की हैं, जिनसे कयास लगाए जा रहे हैं कि वह जल्द ही कोई खास घोषणा कर सकती हैं। कृति ने सबसे पहले अपनी क्लोज–अप सेल्फी साझा की। इसके बाद उन्होंने एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें एक गिलास में ड्रिंक डाली जाती हुई दिखाई दे रही हैं और साथ में लाल रंग की नोटबुक नजर आ रही है। तस्वीर पर लिखा था, कुछ खास पक रहा है। इसके बाद कृति ने एक और तस्वीर साझा की, जिसमें हाथ से लिखे नोट की तरह संदेश था मैं अभी खुद पर काम कर रही हूं।

स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास, 10,000 रन के पार पहुंचीं, मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ा

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने महिला एशिया कप में हांगकांग के खिलाफ तूफानी शतक जड़कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया। मंधाना ने गुरुवार को महज 64 गेंदों में 124 रन की विस्फोटक पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। मंधाना अब तीनों फॉर्मेट मिलाकर अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। उनके नाम कुल 10,880 अंतरराष्ट्रीय रन हो गए हैं, जबकि मिताली राज ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 10,868 रन बनाए थे।

स्मृति मंधाना ने हांगकांग के खिलाफ अपनी 124 रन की पारी में 14 चौके और सात छक्के लगाए। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत भारतीय टीम ने निर्धारित ओवरों में 193 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में हांगकांग की टीम महज 56 रन पर सिमट गई और भारत ने मुकाबला 137 रन से जीत लिया। अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में मंधाना का यह दूसरा शतक है, जबकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह उनका कुल 18वां शतक रहा।

शानदार पारी के बाद स्मृति मंधाना ने कहा कि उन्होंने कभी रिकॉर्ड और आंकड़ों को ध्यान में रखकर क्रिकेट नहीं खेला। उनके लिए सबसे अहम भारत के लिए मैच जीतना रहा है। उन्होंने कहा कि अगर उनकी वजह से सिर्फ दस प्रतिशत लड़कियां भी बैट और बॉल उठाकर क्रिकेट खेलना शुरू करती हैं, तो यह उनके लिए गर्व और खुशी की बात होगी।

प्रधान संपादक
रूचिर सिंह सिसौदिया
स्थानीय संपादक
सुधीर निगम
कार्पोरेट कार्यालय–
सेक्टर–सी0–1, सी0–25, एल0डी0ए0 कालोनी, कानपुर रोड, लखनऊ उ0प्र0–226012
टी.आई.एल. एक्सप्रेस
स्वामी एवं प्रकाशक रूचिर सिंह सिसौदिया द्वारा न्यू अनुग्राफिक्स, पार्क रोड लखनऊ से मुद्रित एवं 279 कटरा बांदा से प्रकाशित
फोन नं0–0522–4010844
Mail us- tvindialive.til@gmail.com
Log on- tvindialive.in, tvindialive.com, www.facebook.com/tvindialive/